



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 39] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 24, 1977 (आश्विन 2, 1899)
No. 39] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 24, 1977 (ASVINA 2, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 अगस्त 1977

सं० ए० 12019/4/77-प्रशा० II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 31-3-1977 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी अनुसन्धान सहायक (हिन्दी) श्रीमती मुधा भार्गव को 1-9-1977 में तीन मास की अनिश्चित अवधि के लिए अथवा नियमित प्रबन्ध किए जाने तक अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में कनिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने रहने की अनुमति प्रदान की गई है।

प्रभातनाथ मुखर्जी

अवर सचिव

कृते सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110012, दिनांक 28 जुलाई 1977

सं० पी० /1812 प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद पर उनका कार्यकार समाप्त हो जाने के परि-
1-2588 जी० आई०/77

नामस्वरूप भारतीय डाक सेवा के अधिकारी श्री जगदीश चन्द्र की सेवाएं 18-7-1977 के अवकाश से डाक तार निदेशालय को पुनः सौंपी जाती हैं।

दिनांक 5 अगस्त 1977

सं० ए० 19014/1/77-प्रशा० I—भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा सेवा के अधिकारी श्री आर० एम० अय्यर ने 21-7-77 के पूर्वार्द्ध में आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 10 अगस्त 1977

सं० ए० 32013/3/76-प्रशा०-I—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 31-5-1977 के अनुक्रम में भारतीय अर्थ सेवा के अधिकारी श्री ज्ञान प्रकाश को, राष्ट्रपति द्वारा 1-7-1977 से तदर्थ आधार पर 3 मास की अनिश्चित अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 16 अगस्त 1977

सं० पी०/1811-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद पर प्रतिनियुक्त पर भारतीय सीमा शुल्क
(4267)

तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क सेवा के अधिकारी श्री जी० पी० नायक को, जिन्हें 8-7-1977 तक अवकाश प्रदान किया गया है, को सेवाएं 8-7-1977 (अपराह्न) से विल मंत्रालय (राजस्व विभाग) को पुनः सौंपी जाती हैं।

सं० ए०/1818-प्रशासन-I—विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग में प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी डा० बी० सुब्रमण्यन को, जिन्हें इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 9-8-1976 द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 31-8-1977 तक उप सचिव के पद पर नियुक्ति किया गया था, 1-9-1977 से एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उप सचिव के पद पर कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गई है।

सं० ए०-32013/1/77-प्रशा०-I—उस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 7-6-1977 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री प्रीतम लाल को, राष्ट्रपति द्वारा 11-7-1977 से तीन मास की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्ति किया जाता है।

दिनांक 22 अगस्त 1977

सं० पी०/271-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी अवसर सचिव श्री एस० पी० चक्रवर्ती को, जिन्हें पहले इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 29-4-1977 द्वारा 31-7-1977 तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी (गोपनीय) के पद पर नियुक्त किया गया था, 1-8-1977 से 2 मास की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, सामान्य प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर विशेष कार्य अधिकारी (गोपनीय) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० ए०-19014/4/77-प्रशा०-I—भारतीय सांख्यिकी सेवा के अधिकारी श्री एस० सी० शर्मा ने 10-8-1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग में उप सचिव के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 29 अगस्त 1977

सं० ए० 12025(ii)/1/76-प्रशा० III—मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के का० शा० सं० एफ० 5/49/76-सी० एस० (1) दिनांक 27 अप्रैल, 1977 के अनुसरण में तथा इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III दिनांक 20 जुलाई, 1977 में आंशिक मंशोधन करते हुए राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक तथा उसी वर्ग में स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री आर० एल० मदान को 24 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेशों तक, अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 12025(ii)/1/76-प्रशा० III—मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

का० शा० सं० एफ० 5/18/76-सी० एस० (1) दिनांक 15 विसम्बर, 1976 के अनुसरण में तथा इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III दिनांक 27 जुलाई, 1977 के अनुक्रम में राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० के० सामन्ता को 1 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेशों तक, अनुभाग अधिकारी के पद पर उक्त सेवा के उसी संवर्ग में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

प्र० ना० मुखर्जी,
अवर सचिव (प्रशा०)
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 24 अगस्त 1977

सं० 2/14/76-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के श्री डी० के० बुध्वा, सहायक इंजीनियर (विद्युत्), को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में 1 अगस्त, 1977, की पूर्वाह्न से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से सहायक तकनीकी परीक्षक (विद्युत्) नियुक्त करते हैं।

श्री निवास, अवर सचिव

गृह मंत्रालय

कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 31 अगस्त 1977

सं० ए०-19020/3/77-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से तमिलनाडू संवर्ग के श्री सी० एल० रामाकृष्णन (भारतीय पुलिस सेवा-1959) को दिनांक 20-8-1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (विशेष पुलिस स्थापना) में पुलिस उप महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

पी० एस० निगम, प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक सितम्बर 1977

सं० O-II-942/73-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी देबरंजन मिश्रा, 46 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, का त्याग पत्र दिनांक 4-6-1977 अपराह्न से स्वीकृत कर लिया।

रा० के० बन्धोपाध्याय, सहायक निदेशक
(प्रशासन)

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेलार)

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1977

सं० ए०-38/15/75-बेलार—श्री कर्तारचंद अग्निहोत्री ने समन्वय निदेशालय (पुलिस बेलार) में अपनी नियुक्ति 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- रुपये के वेतनमान पर अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद का कार्यभार आगामी आदेश तक दिनांक 8 अगस्त, 1977 के पूर्वार्द्ध में सभाला।

छत्रपति जोशी, निदेशक

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली, दिनांक 30 अगस्त 1977

सं० ई०-38013(3)/17/76-कार्मिक—नागल से स्थानान्तरित होने पर श्री के० एम० अहलुवालिया ने 18 जुलाई, 1977 के अपराह्न से के० आ० सु० ब० यूनिट एफ० सी० आई० नया नागल

दिनांक 5 सितम्बर 1977

सं० 11/5/77-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों की, उनके नामों के सामने वर्णित जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (सक्नीकी) के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि की तारीख 1 अगस्त, 1977 के पूर्वार्द्ध से दिनांक 30 सितम्बर, 1977 तक या जब तक इन पदों को नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।—

क्र० सं० अधिकारी का नाम	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय	मुख्यालय	पिछली सेवा अवधि बढ़ाने का सदर्भ
1	2	3	4
सर्वश्री			
1. जय शंकर	केरल	त्रिवेन्द्रम	11/4/1976-प्रशा०-1 तारीख 23-4-1977
2. ए० के० विश्वास	लक्षद्वीप	कवारती	—यथोक्त—
3. अत्सार अहमद	तमिल नाडु	मद्रास	—यथोक्त—
4. आ० पी० शर्मा	उत्तर प्रदेश	लखनऊ	—यथोक्त—
5. एम० सी० पडालिया	उत्तर प्रदेश	लखनऊ	—यथोक्त—
6. बी० पी० रस्तोगी	मेघालय	शिलांग	11/13/75-प्रशा०-1 तारीख 21-5-77
7. जी० एस० पाबला	पंजाब	चण्डीगढ़	11/4/76-प्रशा०-1 तारीख 21-5-77
8. आर० सी० कथरिया	महापजीकार का कार्यालय	नई दिल्ली	11/4/76-प्रशा०-1 तारीख 23-4-77

रा० भ० चारी
महापजीकार और
पदेन संयुक्त सचिव

के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने 29 जुलाई, 1977 के पूर्वार्द्ध से के० आ० सु० ब० यूनिट एच० ई० सी० लि० राजी के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

वी० मिह० बिष्ट, महानिरीक्षक

भारत के महापजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 सितम्बर 1977

सं० 12/5/74-म० प० (प्रशा०-1)—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 12/5/74-म० प० (प्रशा०)-1 तारीख 30 जुलाई, 1976 के अनुक्रम में कलकत्ता में सहायक महापजीकार (भाषा) के कार्यालय में श्रीमती कृष्णा चौधरी की भाषाविद् के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि को 11 जुलाई, 1977 में छ माह की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 अगस्त 1977

सं० 805/सीए० 1/32-77—उपनियंत्रक-महालेखा परीक्षक ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वाणिज्यिक) को सहर्ष पदोन्नत किया है और उनकी नियुक्ति लेखापरीक्षा अधिकारियों (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये की है और नीचे कालम 4 में उल्लिखित तिथियों से प्रत्येक नाम के मामले कालम में लिखे गए कार्यालय में अन्य आदेश होने तक इसी रूप में उन्हें तैनात किया है।

अनुभाग अधिकारी (वा) का नाम	पदोन्नति के पूर्व जिस कार्यालय में कार्यरत थे	पदोन्नति के बाद जिस कार्यालय में लेखापरीक्षा अधिकारी (वा) के रूप में नियुक्ति हुई	स्थानापन्न लेखा-परीक्षा अधिकारी (वा) के रूप में तैनाती की तिथि	
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1. एस० एम० बोस	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्य लेखा परीक्षा कलकत्ता	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्य लेखा परीक्षा कलकत्ता	23-6-77 (पूर्वाह्न)	
2. एस० पी० आजाद	महालेखाकार II म० प्र०	महालेखाकार II बिहार पटना	18-7-77 (पूर्वाह्न)	
3. एम० के० दत्ता	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्य लेखा परीक्षा कलकत्ता।	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्य लेखा परीक्षा कलकत्ता।	25-6-77 (अपराह्न)	
4. टी० करुणाकरन	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्य लेखा परीक्षा मद्रास	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्य लेखा परीक्षा मद्रास	27-6-77 (पूर्वाह्न)	
5. बी० सी० भिप्र	महालेखाकार II उ० प्र०	महालेखाकार, उड़ीसा	7-7-77 (पूर्वाह्न)	
6. पी० श्रीराममूर्ति	महालेखाकार II उ० प्र०	महालेखाकार, उड़ीसा	15-7-77 (पूर्वाह्न)	
7. आर० के० शर्मा	आई० ए० एंड० ए० एम० आफ कालेज, शिमला	महालेखाकार हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़ शिमला	28-6-77 (पूर्वाह्न)	
8. बी० एम० चालके	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्य लेखापरीक्षा बम्बई	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्य लेखापरीक्षा बम्बई	22-6-77 (पूर्वाह्न)	
9. बाई० एल० हाहेनगुडिया	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, रांची	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची	30-6-77 (पूर्वाह्न)	

1	2	3	4	5
10.	विजय राघवन नायर	महालेखाकार, केरल	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा बंगलौर	6-7-77 (पूर्वाह्न)
11.	पी० सुश्रामणियण	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा-I, मद्रास	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा मद्रास	22-6-77 (पूर्वाह्न)
12.	डी० गणेश भक्त	महालेखाकार II तमिलनाडु	महालेखाकार II तमिलनाडु	24-6-77 (पूर्वाह्न)
13.	एस० पी० श्रीवास्तव	महालेखाकार, पंजाब	महालेखाकार, पंजाब	28-6-77 (पूर्वाह्न)
14.	आर० पी० देशपांडे	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा देहरादून	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा देहरादून (बम्बई अफसर प्रोजेक्ट)	18-7-77 (पूर्वाह्न)
15.	एस० बी० घाबले	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा बम्बई (मुख्य लेखापरीक्षक भोपाल)	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा बम्बई (मुख्य लेखापरीक्षक भोपाल)	22-6-77 (पूर्वाह्न)

मुशील देव मद्राचार्य
संयुक्त निदेशक

महालेखाकार महाराष्ट्र का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 1977

म० प्रशामन-1/आ०ए०डी० 5/(118-खण्ड 2)/9— श्री एम० ए० वैद्य इस कार्यालय के स्थापनापत्र लेखा अधिकारी के जनसंख्या अध्ययन का अन्तर्राष्ट्रीय संस्थान, बम्बई में दिनांक 29-3-77 से स्थायी रूप से समा लेने के फलस्वरूप केन्द्रीय नागरी सेवा (निवृत्ति वेतन) नियमावली-1972 के नियम 37, जो भारत सरकार, वित्त मंत्रालय के कार्यालय आपन सं० 44(1) डब्ल्यू/71/दिनांक 13-4-73 के साथ पढ़ा जाये, के अन्तर्गत दिनांक 29-3-1977 से सेवानिवृत्त समझा जायेगा।

2. श्री एम० ए० वैद्य लेखा अधिकारी का जनसंख्या अध्ययन का अन्तर्राष्ट्रीय संस्थान में स्थायी रूप से समा लेना दिनांक 29-3-77 से मंजूर किया है।

दिनांक 20 अगस्त 1977

म० प्रशामन-1/जी०ई०एन०एल०/डब्ल्यू० जी०पी०/13— श्री डब्ल्यू० जी० पाटणकर, इस कार्यालय के स्थाई लेखा अधिकारी को सितरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, नागपुर में, स्थायी रूप से समा लेने के फलस्वरूप, सेवा में दिनांक 1-10-1976 (पूर्वाह्न) से उन्होंने त्यागपत्र दिया ऐसा समझा जायेगा।

वित्त मंत्रालय, भारत के नियंत्रक तथा महालेखापरीक्षक, के पत्र संख्या 1825-जी०ई०-II/62-77 दिनांक 30 जुलाई, 1977 में निर्धारित शर्तों पर श्री डब्ल्यू० जी० पाटणकर को सितरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, नागपुर में, दिनांक 1 अक्टूबर, 1976 (पूर्वाह्न) से स्थायी रूप से समा लेने का अपनी मजूरी प्रदान करना है।

श्रीमती ग० कृष्णन कुट्टी,
वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रशामन

महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 27 अगस्त 1977

सं० ई० बी०-I/8-132/77-78/231—श्री एम० आर० मूर्ति, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश-I में सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 31-7-1977 अग्रह।

एम० आर० मुखर्जी
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशामन)

महालेखाकार का कार्यालय, जम्मू व कश्मीर

श्रीनगर, दिनांक 3 सितम्बर, 1977

सं० एडमिन-I/60 (47)/77-78/1428—महालेखाकार जम्मू व कश्मीर ने ग्रागामी आदेश तक के लिए इस

कार्यालय के अधीनस्थ लेखा सेवा के सदस्य श्री त्रिलोकी नाथ रैना (i) [2/1/1934] को 31-8-1977 के पूर्वार्द्ध में लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्ति किया है।

आर० चन्द्रासंकरण,
त्वरित अप महालेखीकार
प्रशासन तथा अधिकरण

कार्यालय, मुख्य लेखा परीक्षक द० म० रेलवे

मिकन्दराबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1977

सं०एच०/ए०/II/5/II/787—श्री वै० आर० केहर लेखा

परीक्षा अधिकारी अधिवाषिकी की आयु प्राप्त करने के फलस्वरूप 31-8-1977 (अपरार्द्ध) से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

स० एच०/ए०/II/5/वाल्सूम II/788—मुख्य लेखा परीक्षक द० म० रेलवे अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एन० बि० जगन्नाथ दास को अपने कार्यालय में ही दिनांक 29-8-1977 के पूर्वार्द्ध में अगले आदेश तक स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी के पद पर महर्ष प्रोन्नत करने हैं।

श्री० एन० प्रसाद,

उप मुख्य लेखा परीक्षक अधिकारी

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 2 सितम्बर 1977

सं० 40011(1)/76-प्रशा०-ए०—रक्षा लेखा महानियंत्रक, निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों (लेखा) को स्थानापन्न लेखा अधिकारियों के रूप में, आगामी आदेश पर्यन्त प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से एतद्वारा नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	संगठन	तारीख
1	2	3	4
	सर्व श्री		
1.	रणधीर सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक मध्य कमान, मेरठ	9-8-76 (पूर्वार्द्ध)
2.	एन० सी० फडके	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	23-12-75 (पूर्वार्द्ध)
3.	पी० डी० बक्शी	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून	11-7-77 (पूर्वार्द्ध)
4.	पी० एल० भाटिया	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	28-2-77 (पूर्वार्द्ध)
5.	बी० एम० अंडले	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	11-4-77 (पूर्वार्द्ध)
6.	एम० जानकी रामन	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	10-1-77 (पूर्वार्द्ध)
7.	नित्यानन्द मुखर्जी	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	22-3-77 (पूर्वार्द्ध)
8.	माण्डे राम नागपाल	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ	14-3-77 (पूर्वार्द्ध)
9.	एम० सेमिल यीशुदियत	रक्षा लेखा नियंत्रक (दक्षिणी कमान) पूना	12-4-77 (पूर्वार्द्ध)
10.	रेशम सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) इलाहाबाद।	9-6-77 (पूर्वार्द्ध)
11.	एम० चिदम्बर राव,	रक्षा लेखा नियंत्रक (दक्षिणी कमान) पूना	13-4-77 (पूर्वार्द्ध)
12.	ओम प्रकाश चुग	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून	16-6-77 (पूर्वार्द्ध)
13.	पी० आर० शारंगपाणि	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	11-4-77 (पूर्वार्द्ध)
14.	खेमराज बख्शी	रक्षा लेखा नियंत्रक (पश्चिमी कमान) मेरठ	1-4-77 (पूर्वार्द्ध)
15.	सी० आर० श्रीनिवासन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना	1-4-77 (पूर्वार्द्ध)
16.	एस० आर० भार्गव	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	1-4-77 (पूर्वार्द्ध)
17.	एम० सी० बालरामन	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	1-4-77 (पूर्वार्द्ध)
18.	वाई० एन० चोपड़ा	रक्षा लेखा नियंत्रक, (उत्तरी कमान) जम्मू	25-5-77 (पूर्वार्द्ध)
19.	टी० अन्नारु	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	2-5-77 (पूर्वार्द्ध)
20.	टी० एम० पट्टनय्या	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून	2-5-77 (पूर्वार्द्ध)
21.	के० बाल चन्द्र मेनन,	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	11-5-77 (पूर्वार्द्ध)

1	2	3	4
22.	अजीत कुमार सरकार	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	2-5-77 (पूर्वाह्न)
23.	आदिनाथ चटर्जी	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	2-5-77 (पूर्वाह्न)
24.	एम० एल० मुखर्जी	रक्षा लेखा नियंत्रक पटना	19-7-77 (पूर्वाह्न)
25.	वी० पट्टाभिरामन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	16-5-77 (पूर्वाह्न)
26.	बी० एम० गोवर्द्धकर	रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान पुना	2-5-77 (पूर्वाह्न)
27.	एस० के० बेरी	रक्षा लेखा नियंत्रक (पश्चिमी कमान) मेरठ	1-7-77 (पूर्वाह्न)
28.	जे० बी० सक्सीना	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ	10-5-77 (पूर्वाह्न)
29.	डी० आर० मिश्रा	रक्षा लेखा नियंत्रक (पश्चिमी कमान) मेरठ	1-7-77 (पूर्वाह्न)
30.	एम० आर० राजवाड़े	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	16-5-77 (पूर्वाह्न)
31.	पी० वी० वेकटराजन	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून	2-5-77 (पूर्वाह्न)
32.	एन० सी० भट्टाचार्य	रक्षा लेखा नियंत्रक पटना	24-5-77 (पूर्वाह्न)
33.	एच० कृष्णमूर्ति	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	14-6-77 (पूर्वाह्न)
34.	आर० एन० दत्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक मध्य कमान मेरठ	1-6-77 (पूर्वाह्न)
35.	बी० के० चक्रवर्ती	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	1-6-77 (पूर्वाह्न)
36.	जी० पलानी स्वामी	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	1-6-77 (पूर्वाह्न)
37.	वी० बी० कुलकर्णी	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	1-6-77 (पूर्वाह्न)
38.	एम० आर० कुमठेकर	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर पुना)	1-6-77 (पूर्वाह्न)
39.	जी० के० महेन्द्रकर	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	1-6-77 (पूर्वाह्न)
40.	बी० एम० सरकार	रक्षा लेखा नियंत्रक पटना	1-6-77 (पूर्वाह्न)
41.	एस० आर० वर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) इलाहाबाद	1-6-77 (पूर्वाह्न)
42.	आर० वेंकटरामन	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	1-7-77 (पूर्वाह्न)
43.	एन० एल० सेन गुप्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक पटना	14-7-77 (पूर्वाह्न)
44.	जे० एन० बेदी	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ	1-7-77 (पूर्वाह्न)
45.	करतार सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ	4-7-77 (पूर्वाह्न)
46.	एस० एन० घोष	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) इलाहाबाद	1-7-77 (पूर्वाह्न)
47.	ए० आर० मेहरा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण-मद्रास	1-7-77 (पूर्वाह्न)
48.	बी० एस० अर्जुनवाडकर	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुना	1-7-77 (पूर्वाह्न)
49.	आर० एन० पाटणकर	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौ सेना) बम्बई	1-7-77 (पूर्वाह्न)
50.	शांति प्रकाश जैन	रक्षा लेखा नियंत्रक उत्तरी कमान जम्मू	2-7-77 (पूर्वाह्न)
51.	राम मरन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ	1-7-77 (पूर्वाह्न)
52.	एल० आर० सिन्धरकर	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुना	1-7-77 (पूर्वाह्न)
53.	एन० कृष्णमूर्ति	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	6-7-77 (पूर्वाह्न)
54.	बी० जी० गनडे	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुना	1-7-77 (पूर्वाह्न)
55.	राम किशोर	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) इलाहाबाद	30-7-77 (पूर्वाह्न)
56.	वी० ई० जकरिया	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	1-7-77 (पूर्वाह्न)
57.	एम० ए० साठे	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुना	1-8-77 (पूर्वाह्न)
58.	के० वी० जोसेफ	रक्षा लेखा नियंत्रक मध्य कमान मेरठ	1-8-77 (पूर्वाह्न)
59.	वी० शेषाद्रि	रक्षा लेखा नियंत्रक पश्चिमी कमान मेरठ	21-3-77 (पूर्वाह्न)

सं०	1	2	3	4
60.	एम० बी० कमरकर	.	रक्षा लेखा नियंत्रक पटना	31-3-77 (पूर्वाह्न)
61.	आर० रंगराजन	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून	25-3-77 (पूर्वाह्न)
62.	ओम प्रकाश शर्मा	.	रक्षा लेखा नियंत्रक नई दिल्ली	1-4-77 (पूर्वाह्न)
63.	एम० के० एम० एस० राम राव	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ	30-5-77 (पूर्वाह्न)
64.	जी० राम चन्द्रन	.	रक्षा लेखा नियंत्रक पटना	30-4-77 (पूर्वाह्न)
65.	आर० जयरामन	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौ सेना) बम्बई	31-5-77 (पूर्वाह्न)
66.	एम० के० सरकार	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	2-5-77 (पूर्वाह्न)
67.	हर बलवन्त सिंह चन्द्र	.	रक्षा लेखा नियंत्रक पश्चिमी कमान मेरठ	2-5-77 (पूर्वाह्न)
68.	एन० के० श्रीनिवासन	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना	2-5-77 (पूर्वाह्न)
69.	के० चन्द्र शेखरन पिन्लई	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना	19-5-77 (पूर्वाह्न)
70.	एन० के० मल्होत्रा	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ	9-5-77 (पूर्वाह्न)
71.	जी० सी० हसीजा	.	रक्षा लेखा नियंत्रक पश्चिमी कमान मेरठ	29-6-77 (पूर्वाह्न)
72.	एम० नागमुब्रह्मण्यम	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	30-6-77 (पूर्वाह्न)
73.	सी० एन० सुब्रह्मण्यन	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	11-7-77 (पूर्वाह्न)
74.	एम० पी० तरडे	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	1-7-77 (पूर्वाह्न)
75.	के० गनेशन	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	2-7-77 (पूर्वाह्न)
76.	ओ० डी० शर्मा	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ	14-3-77 (पूर्वाह्न)

आर० वकट रत्नम
रक्षा लेखा उप महा नियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां, डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय, सिविल सेवा कलकत्ता-700069, दिनांक 23 अगस्त, 1977 सं० 49/77/जी०—डी० जी० ओ० एफ० निम्नलिखित स्थायी सहायकों को सहायक स्टाफ अफसर (वर्ग II राजपत्रित) के पद पर स्थानापन्न तदर्थ आधार पर, प्रत्येक के सामने दर्शायी गयी अवधि से पदोन्नति करते हैं :—		स्थानापन्न तदर्थ आधार पर, प्रत्येक के सामने दर्शायी गयी तारीख से आगामी आदेश होने तक पदोन्नति करते हैं :—	
(1) श्री बी० के० चटर्जी	1-9-1976 से 31-1-1977 तक	(1) श्री बी० के० चटर्जी	1-2-1977
(2) श्री प्रवेश चन्द्र चक्रवर्ती	1-9-76 से 18-12-1976 तक 10-1-1977 से 8-4-1977 तक	(2) श्री प्रवेश चन्द्र चक्रवर्ती	2-5-1977
(3) श्री मत्स्य प्रसाद दास गुप्ता	1-4-1977 से 1-5-1977 तक	(3) श्री मत्स्य प्रसाद दासगुप्ता	2-5-1977
सं० 51/77/जी०—डी० जी० ओ० एफ० निम्नलिखित स्थायी आशुलिपिक ग्रेड-II अस्थायी सहायक को सहायक स्टाफ अफसर (वर्ग-2 राजपत्रित) के पद पर स्थानापन्न तदर्थ आधार पर प्रत्येक के सामने दर्शायी गयी अवधि के लिये पदोन्नति करते हैं :—			
(1) श्री सुधानशु कुमार बनर्जी	8-12-1976 से 21-1-1977 तक	(1) श्री सुधानशु कुमार बनर्जी	8-12-1976 से 21-1-1977 तक
(2) श्री विश्वनाथ दे	20-12-1976 से 10-2-1977 तक	(2) श्री विश्वनाथ दे	20-12-1976 से 10-2-1977 तक

दिनांक 29 अगस्त, 1977

सं० 50/77/जी०—डी० जी० ओ० एफ० निम्नलिखित स्थायी
सहायकों को सहायक स्टाफ अफसर (वर्ग-II राजपत्रित) के पद पर

डी० पी० चक्रवर्ती
सहायक महानिदेशक प्रशासन-II
रक्षा महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता-700016, दिनांक 24 अगस्त 1977

सं० 45/जी/77—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न एडिशनल डी० जी० ओ० एफ० के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं :—

(1) श्री आर० एन० दत्ता, स्थानापन्न 9 मई, 1977
उप-महानिदेशक आर्डनेन्स फैक्टरियां
स्तर-1

(2) श्री ओ० पी० बहल, स्थानापन्न 9 मई, 1977
महाप्रबन्धक (सेलेक्शन ग्रेड) स्तर-1

एम० पी० आर० पिल्लाय,
सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 अगस्त, 1977

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/502/56-प्रशा (राज०)/6356—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग 1 में स्थायी अधिकारी, श्री आई० बी० चुनकत को उसी सेवा के प्रवरण वर्ग में 1-7-77 से 31-8-77 तक नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति, श्री आई० बी० चुनकत की मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में पूर्वोक्त अवधि के लिए संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

सं० 6/806/67-प्रशासन (राजपत्रित)/6369—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग में स्थायी और इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-निर्यात, श्री आर० पी० बसु को 1-8-77 से 31-10-77 तक की अवधि के लिए उसी सेवा के वर्ग 1 में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति, श्री आर० पी० बसु को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में पूर्वोक्त अवधि के लिए उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

का० वें० शेषाद्वि,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास प्रभाग

कार्यालय, विकास आयुक्त लघु उद्योग

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त, 1977

सं० 19018/273/77-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग की मिकारिण पर श्री अच्युतानन्द राय
2-256Q1/77

को अगले आदेशों तक 19 जुलाई, 1977 से लघु उद्योग विकास संगठन में उप निदेशक (रसायन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री अच्युतानन्द ने उप निदेशक (रसायन) नियुक्त होने पर 19 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, अमरगता में अपने पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

वी० वेंकटरायुलु,
उप निदेशक (प्रशासन)

विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 30 अगस्त, 1977

सं० ई०-II (7)—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई-II (7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में श्रेणी 2 के अधीन—नायट्रेट मिक्सचर, "अल्फाडाईन" के प्रविष्टि में संख्या और शब्द "30 सितम्बर 1977" के स्थान पर संख्या और शब्द "30 सितम्बर 1978" प्रतिस्थापित की जाएगी।

इंगुब नरसिंह मूर्ति,
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 30 अगस्त, 1977

सं० ए/17011(118)/77-प्र-6—राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित अस्थायी श्री एन० पी० रसाने को दिनांक 4-7-77 से आगामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी-I) के ग्रेड III की धातुकर्मशाला में नियुक्त करते हैं।

श्री रसाने ने दिनांक 4-7-77 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक (धातु) टाटानगर के अधीन उप-निदेशक निरीक्षण, भिलाई के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) का पदभार सम्भाल लिया।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 30 अगस्त, 1977

सं० 4192/बी/13/74/19सी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के शिफ्ट बांस श्री जे० सोमैया को शिफ्ट बांस की श्रेणी में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 16-8-1975 से पुष्टि की गई है।

वी० के० एस० वरधन,
महानिदेशक,
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 1 अगस्त 1977

सं० ए० 19012/95/77-स्था-ए—श्री व्ही० एस० मूर्ति स्थायी वरिष्ठ तकनीकी भूवैज्ञानिक को दिनांक 9-8-1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में वर्ग "ब" के पद में नियमित आधार पर स्थानापन्न सहायक खान भूवैज्ञानिक के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

दिनांक 5 सितम्बर, 1977

सं० ए-19011(215)77-स्थापना-ए—राष्ट्रपति श्री जी० टी० कामले को 11 अगस्त 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एल० सी० रणधीर,
कार्यालय अध्यक्ष.
कृते नियंत्रक

नागपुर, दिनांक अगस्त 77

सं० ए-19011(216)77-स्था० ए—राष्ट्रपति श्री आर० बालाजी को 17 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एल० सी० रणधीर,
कार्यालय अध्यक्ष

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-700016, दिनांक 22 जुलाई, 1977

सं० 8-124/72-स्थापना—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के निदेशक, श्री आर० रंगानाथन को 29 जून, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

दिनांक 26 जुलाई, 1977

सं० 8-41/64-स्थापना—विभागीय प्रोन्नति समिति की सिफारिशों पर निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण श्री एम० एन० कालोदे को 11 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पदोन्नत करते हैं।

दिनांक 10 अगस्त, 1977

सं० 4-132/76-स्थापना—निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण एतद्वारा श्री रतन सिंह रेपा को इसी सर्वेक्षण के अण्डमान और निकोबार क्षेत्र, पोर्ट ब्लेयर में अस्थायी आधार पर मानव परिस्थितिकोविज्ञ (वर्ग-बी राजपत्रित) के पद पर दिनांक 21 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

सी० टी० थोमस,
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1977

सं० 5(13)/71-एस० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री प० क० रवीन्द्रन भूतपूर्व प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, गुलबर्गा को आकाशवाणी, त्रिवेन्द्रम में 28-7-77 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(34)/77-एस० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री कु० अचल शर्मा को आकाशवाणी दिल्ली में 5-8-1977 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(46)/77-एस० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री दीदार सिंह को रेडियो काशमीर, जम्मू में 29-6-77 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(88)/77-एस० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री संगमेश सं० हीरेमठ को आकाशवाणी, भद्रावती में 18-8-77 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 7 सितम्बर 1977

सं० 6(13)/61-एस० एक—खण्ड II—अपनी बहाली के फलस्वरूप, श्री सी० डी० वर्मा ने आकाशवाणी, लखनऊ में 22-8-77 से कार्यक्रम निष्पादक का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० 5(35)/75-एस० I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री बाबूभाई बी० परमार, भूतपूर्व प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, राजकोट को, आकाशवाणी, ग्रहमवाबाव में 17-8-1977 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(21)/77 एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एम० एस० केशव प्रभु को आकाशवाणी, धारवाड़ में 24-8-77 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारद्वाज
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 सितम्बर 1977

सं० 1-22/75-के० सं० स्वा० यो०-3/1815—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम-5 के उप-नियम (1) का अनुसरण करते हुए, मैं, श्री मेहर सिंह, झाड़ूकश को, एतद्वारा सूचित करता हूँ कि इस अधिसूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से एक महीने की अवधि के समाप्त होने की तारीख से उनकी सेवाएं समाप्त समझी जाएंगी।

लक्ष्मी वस जोशी
उप-निदेशक के० सं० स्वा० यो०, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1977

सं० ए० 39013/4/77-के० सं० स्वा० यो० 2 (1)—
अपना त्यागपत्र मंजूर हो जाने के फलस्वरूप डा० आर० एन०
शर्मा, आयुर्वेदिक कार्य चिकित्सक, केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य
योजना, इलाहाबाद ने 1 अगस्त, 1977 पूर्वाह्न से अपने पद
का कार्यभार छोड़ दिया है।

एन० एस० भाटिया,
उप निदेशक (प्रशासन)

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० पी० पी० ई० डी०/3(282)/77-प्रशासन—
विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निदेशक, भाभा परमाणु
अनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक लेखाकार तथा स्थानापन्न
सहायक लेखा अधिकारी श्री आर० जी० मसूरकर को 8 अगस्त,
1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक विद्युत परियोजना इंजी-
नियरी प्रभाग में 840-40-1000-द० रो०-40-1200
रुपये के वेतनमान में अस्थायी रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त
करते हैं।

बी० बी० थाटे,
प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 31 अगस्त 1977

सं० ई० (1) 04243—भारत मौसम विज्ञान विभाग के
प्रादेशिक मौसम केन्द्र मद्रास के निदेशक के अन्तर्गत त्रिवेन्द्रम
केन्द्र के स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी श्री पी० पी० कुरियन,
निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर 31 जुलाई, 1977 के अपराह्न
से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

एम० आर० एन० मणियन,
मौसम विज्ञानी
हृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 अगस्त 1977

सं० ए०-32014/2/77-ई० एम०—महानिदेशक नागर
विमानन ने श्री एल० सी० शर्मा, भंडार सहायक को 1-8-1977
से अन्य आदेश होने तक भंडार अधिकारी (ग्रुप 'बी' पद) के पद
पर केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली के कार्यालय में
नियुक्त किया है।

विश्व विनोद जीहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 27 अगस्त 1977

सं० ए० 32014/4/76-ई० सी०—महानिदेशक नागर
विमानन ने श्री जे० आर० तांबे, तकनीकी सहायक को 16
जुलाई, 1977 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेश होने तक नागर
विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में सहायक तकनीकी
अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें वैमानिक संचार
स्टेशन, नागपुर में तैनात किया है।

दिनांक 29 अगस्त 1977

सं० ए० 32013/8/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री
बी० के० कालरा, सहायक निदेशक संचार (मुख्यालय) नागर
विमानन विभाग को 1-8-77 (पूर्वाह्न) से 30-4-78 तक या
नियमित नियुक्तियां होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तथैव
आधार पर नियंत्रक के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें केन्द्रीय
रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली में तैनात किया है।

पी० सी० जैन,
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय

कानपुर, दिनांक 6 अगस्त 1977

सं० 106/77—इस समाहर्तालय के पृष्ठांकन पत्र
सं० II (3) कांफला/61/75/एच० ए० सी०/पार्टे/3025 दिनांक
20-12-75 के अन्तर्गत नोटिस के बदले 3 माह के वेतन और
भत्ते देकर, एफ० आर० 56 (जे०) के अन्तर्गत दिनांक
22-12-75 (अपराह्न) को अनिवार्य रूप से सेवा निवृत्त
किये तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, मेरठ में पहले पदस्थापित
श्री जसवंत सिंह, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप 'ख'
अपने पद का कार्यभार दिनांक 22-12-75 (अपराह्न) को
श्री सी० एम० भटनागर, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल,
मेरठ को सौंप कर सरकारी सेवा से दिनांक 22-12-75
(अपराह्न) को सेवा निवृत्त हो गये। वह अनिवार्य रूप से सेवा
निवृत्ति की तारीख के बाध भी दिनांक 13-9-77 तक छुट्टी पर
रहेंगे और उन्हें, अवकाश की उस अवधि को छोड़कर जो उस
अवधि के साथ चलती है। जिसके लिए नोटिस के बदले वेतन और
भत्ते दिये जा चुके हैं, केन्द्रीय सिविल सेवा (अवकाश) नियमावली
1972 के नियम 40 (7) (ए) में दी गई व्यवस्था के अनुसार
अवकाश वेतन, जिसमें पेंशन तथा सेवा निवृत्ति की अन्य प्रसुवि-
धाओं के बराबर पेंशन की धनराशि घटी होगी, मिलेगा। ऐसी
अवधि के लिये अवकाश वेतन स्वीकार्य नहीं हैं।

कु० श्री दिलिपसिंह जी,
समाहर्ता

नागपुर-440001, दिनांक 3 सितम्बर 1977

सं० 34—भूतपूर्व मध्यप्रदेश एवं विदर्भ, केन्द्रीय
उत्पाद शुल्क समाहर्तालय नागपुर के बहुपदीय अधिकारी रेंज III
सागर में तैनात श्री आर० जी० नायडू, अधीक्षक केन्द्रीय
उत्पाद शुल्क श्रेणी "ख" ने निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर

दिनांक 31-5-1977 के अपराह्न से सेवामुक्त कर दिए गए हैं।

मनजीत सिंह बिन्द्वा,
समाहर्ता

पटना, दिनांक 1 सितम्बर 1977

मि०सं० 11 (7) 1-स्थापना/77/10483—इस कार्यालय के स्थापना आदेश संख्या 100/77 दिनांक 21-4-1977 के अनुसार श्री एस० एन० मजुमदार, कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, पटना को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200- रु० तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों के सहित वेतनमान पर स्थानापन्न प्रशासन पदाधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क श्रेणी 'ब' के रूप में नियुक्त किया गया। इस आदेश के अनुसरण में श्री एस० एन० मजुमदार, प्रशासन अधिकारी (मुख्यालय), केन्द्रीय उत्पाद, पटना के रूप में दिनांक 22-4-77 के पूर्वार्द्ध में कार्यभार ग्रहण किए।

हरि नारायण साहु,
समाहर्ता,
केन्द्रीय उत्पाद, पटना

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली-1, दिनांक 31 अगस्त 1977

सं० 10/77—श्री ए० आर० शर्मा, कार्यालय अधीक्षक, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) नयी दिल्ली को, श्री एस० एन० वर्मा, सहायक मुख्य लेखा अधिकारी के छुट्टी चले जाने से रिक्त हुए स्थान पर दिनांक 24-8-77 के (पूर्वार्द्ध से) 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-800-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से सहायक मुख्य लेखा अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

मु० वैकटरामन्,
निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 31 अगस्त 1977

सं० क-19012/605/76-प्रशा० 5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री एस० सी० सहगल, पर्यवेक्षक को सहायक अभियंता के पदक्रम में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-10000-द० रो०-40-1200/- के वेतनमान में दिनांक 27-9-76 अपराह्न से पूर्णतया अस्थाई एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करने हैं।

श्री एस० सी० सहगल ने सहायक अभियंता के पद का कार्यभार चिनाव उपप्रभाग संख्या-3, कुल्लू, मातहत चिनाव अन्वेषण

प्रभाग, चिनाव अन्वेषण वृत्त जम्मू में दिनांक 27-9-76 से लिया है।

जे० के० साहा, अवर सचिव
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 31 अगस्त 1977

सं० ए० 19012/484/74-प्रशा० पांच—त्यागपत्र स्वीकृत हो जाने के परिणामस्वरूप श्री ए० के० जीरथ को 20 जुलाई, 1977 के अपराह्न से अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद से कार्यभार मुक्त किया जाता है।

जे० के० साहा, अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 1 सितम्बर 1977

सं० 27-सी०/आर० (17) 69-ई० सी०-2—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित अधिकारी वार्द्धक्य की आयु (58 वर्ष) प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से 31 अगस्त, 1977 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हुए :—

क्र० सं०	नाम	वर्तमान पदनाम
	सर्व/श्री	
1.	के० राम वर्मन	मुख्य इंजीनियर (खाद्य), के० लो० नि० विभाग, नई दिल्ली
2.	डी० के० भौमिक	मूल्यन अधिकारी, मूल्यन एकक-4, आयकर विभाग, 54 रफी अहमद रोड, कलकत्ता-16

मु० सू० प्रकाश राव,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते प्रमुख इंजीनियर

नई दिल्ली, दिनांक 2 सितम्बर 1977

सं० 33/12/73-ई० सी० 9—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री बी० आर० क्षीरमागर को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 1100-50-1600 (तथा सामान्य भत्ते) के वेतनमान में 1250/- रुपये प्रतिमास वेतन पर सामान्य शर्तों पर 1-8-1977 (पूर्वार्द्ध) से वास्तुक के अस्थायी पद पर (केन्द्रीय भिबिल सेवा ग्रुप-ए) नियुक्त करते हैं।

2. श्री क्षीरसागर 1-8-77 पूर्वाह्न से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रखे जाते हैं।

3. श्री क्षीरसागर, वरिष्ठ वास्तुक (आवास और नगर आयोजन) एकक-II, के० का०, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में तैनात किए जाते हैं।

डी० पी० ओहरी
प्रशासन उपनिदेशक
कृते प्रमुख इंजीनियर

चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना

चित्तरंजन, दिनांक 29 अगस्त 1977

सं० जी० एम० ए०/जी० एम०/8(सिविल)—चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना, चित्तरंजन के स्थानापन्न सहायक इंजीनियर श्री राम चन्द्र मिह को इस प्रशामन के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के संवर्ग में द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक इंजीनियर के पद पर तारीख 28-11-73 (पूर्वाह्न) से स्थायी किया जाता है।

के० एस० रामास्वामी,
महाप्रबन्धक

निर्माण, आवास, पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय
(पूर्ति विभाग)

राष्ट्रीय परीक्षण गृह अलीपुर

कलकत्ता-27, दिनांक 2 सितम्बर 1977

सं० जी० 65/बी० (कान)—अधोहस्ताक्षरित, इसी द्वारा, श्रीमती सान्त्वाना चौधुरी को 15-7-77 (अपराह्न) से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी (अविनाशकारी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० जी०-65/बी० (कान)—इस कार्यालय की इसी सं० दिनांक 19-10-73 की अधिसूचना के क्रम में अधो-हस्ताक्षरित, इसी द्वारा श्री एम० एम० लाहिड़ी को राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता में नियमित वैज्ञानिक अधिकारी (भौतिकी) के रूप में 20-6-77 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

सं० जी०-318/सं०—अधो हस्ताक्षरित, श्री के० चक्रवर्ती को राष्ट्रीय परीक्षण गृह, बम्बई शाखा, बम्बई में तदर्थ सहायक निदेशक (प्रशासन), ग्रेड II के रूप में 19-7-77 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक उसे नियुक्त करते हैं।

वि० सि० विष्वास,
मुख्य निदेशक,
राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स कुडेगली सान्तोना मार्टिनस् प्राइवेट लिमिटेड में

पागजी, दिनांक 29 अगस्त 1977

सं० 305/9—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स कुडेगली सान्तोना मार्टिनस् प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

द० रा० घरोटे
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
गोवा, दमण और दीव,

कम्पनी अधिनियम 1956 और वशिष्ठ इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कानपुर, दिनांक 25 अगस्त 1977

सं० 7690-ए०/2923-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर वशिष्ठ इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कश्यप फाइनेन्स चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 23 अगस्त 1977

सं० 7690/12940-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर मेसर्स कश्यप फाइनेन्स चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सीतल फाइनेन्सर्स एण्ड चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कानपुर, दिनांक 24 अगस्त 1977

सं० 7732/3035-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर सीतल फाइनेन्सर्स एण्ड चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और धिल्लन रेफीजरेशन (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 24 अगस्त 1977

सं० 7733/3138-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर मेसर्स धिल्लन रेफीजरेशन (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और टेक्सट्यूब प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 29 अगस्त 1977

सं० 7835/3799-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर टेक्सट्यूब प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एस० नारायणन,
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज
यू० पी०

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्यामला ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 29 अगस्त 1977

सं० 4701/560 (3)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर प्यामला ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि टैलस एन्ड फ्लोरिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 1 सितम्बर 1977

सं० 2936/560 (5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दि टैलस एन्ड फ्लोरिंग्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैलेरी बस ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 2 सितम्बर 1977

सं० 5012/560 (5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैलेरी बस ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इनडो जर्मन इन्जीनियरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 3 सितम्बर 1977

सं० 3528/560 (5)/77—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि इनडो जर्मन इन्जीनियरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और दि सिटाडल फिल्म कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 3 सितम्बर 1977

सं० 3739/560 (5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दि सिटाडल फिल्म कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

सी० अच्युतन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि मोन्ट इन्जीनियरिंग इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 29 अगस्त 1977

सं० 5559/560 (5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दि मोन्ट इन्जीनियरिंग इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि म्यूचुअल ट्रस्ट फंड लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 1 सितम्बर 1977

सं० 1702/560 (3)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दि म्यूचुअल ट्रस्ट फंड लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि सिन्डियर शिपिंग
कम्पनी लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 1 सितम्बर 1977

सं० 6037/560 (3)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दि सिन्डियर शिपिंग कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के० पञ्चापकेशन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एम० एस० एम० चिट
फंडस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 2 सितम्बर 1977

सं० 5512/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि एम० एस० एम० चिट फंडस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

पि० भास्कर राव
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

मैसर्स भगवान सिंह एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1936 की धारा 445 (2) के अन्तर्गत नोटिस।

नई दिल्ली, दिनांक 3 अगस्त 1977

सं० के० लिक्व०/3163/15816—माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 12-11-1973 के आदेश से मैसर्स भगवान सिंह एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापित होना, आवेशित हुआ है।

आर० के० अरोड़ा
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,
दिल्ली एवं हरियाणा

यतः मेट्रोपोलीटन फिल्मस प्राइवेट लिमिटेड, जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय लुधियाना में है, का परिसमापन किया जा रहा है।

और यतः अधोस्तक्षरकर्ता के पास यह विश्वास करने का उचित कारण है कि कोई भी समापक कार्य नहीं कर रहा है।

मेट्रोपोलीटन फिल्मस प्राइवेट लिमिटेड और यह कि कम्पनी के कार्य कलाप का पूर्णतया परिसमापन हो गया है। समापक द्वारा दी जाने वाली अपेक्षित विवरणी या छै कमवर्ती मास की अवधि की नहीं दी गई है।

अतः अब कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास का अवसान होने पर मेट्रोपोलीटन फिल्मस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किये जाने पर रजिस्टर से से काट दिया जायेगा, और कम्पनी को विघटित कर दिया जायेगा।

सत्य प्रकाश तायल
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
पं०, हि० प्रदेश व चंडीगढ़

कार्यालय आयकर आयुक्त,

नई दिल्ली, दिनांक 19 अगस्त 1977

शुद्धि पत्र

सं० जुरि०-दिल्ली/2/77-78/21871—इस कार्यालय की दिनांक 20-7-77 की अधिसूचना संख्या: 19566 के कालम-3 के अंतर्गत क्रम संख्या: 1 मद (ख) तथा क्रम संख्या: 2 मद (क) के सामने उसी तारीख से निम्नलिखित को रखा जाएगा:—

1.(ख) ऐसी कम्पनियों के सभी मामले जिनके व्यवसाय या कारोबार का स्थान या मुख्य स्थान संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली में हो और जिनका पंजीकरण 31-3-76 तक रजिस्ट्रार आफ कंपनीज दिल्ली और हरियाणा के पास हो चुका हो।

2. (क) ऊपर 1 (ख) में निर्दिष्ट मामलों को छोड़कर ऐसी कंपनियों के सभी मामले जिनके व्यवसाय या कारोबार का स्थान या मुख्य स्थान संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली में हो और जिनका पंजीकरण रजिस्ट्रार आफ कंपनीज, दिल्ली और हरियाणा के पास हो चुका हो।

ए० सी० जैन
आयकर आयुक्त, दिल्ली-2
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 अगस्त 1977

सं० जुरि/दिल्ली-4/77-78/23051—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले के आदेशों में संशोधन करते हुए, आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, उक्त अनुसूची के कालम-2 में बताए गए डिस्ट्रिक्ट/सर्किल के आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों

के वर्गों के बारे में उक्त अधिनियम के अंतर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे :—

अनुसूची

रैंज	आयकर डिस्ट्रिक्ट/सकिल
1	2
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, डिस्ट्रिक्ट-3 (3), 3 (14), रैंज-3 (डी) नई दिल्ली।	3 (15), 3 (28), 3 (29) तथा 3 (35) नई दिल्ली, तीसरा अतिरिक्त सर्वे सकिल-3, नई दिल्ली।

यह आदेश 30-8-77 से लागू होगा।

ए० जे० राणा,

आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अगस्त 1977

सं० जुरि०/दिल्ली/5/77-78/21973—इस विषय पर पहले के सभी आदेशों का अधिक्रमण करते हुए और आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां), की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी उक्त अनुसूची के कालम-3 में उल्लिखित व्यक्तियों, व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय के वर्गों तथा मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में अपने कार्य करेंगे किन्तु इनमें उन व्यक्तियों के मामले शामिल नहीं होंगे जो आयकर अधिनियम 1961 की धारा 127 के अंतर्गत किसी दूसरे आयकर अधिकारी को सौंप दिए गए हों या इसके बाद सौंपे जाएं।

2. यह अधिसूचना 19-8-77 से लागू होगी।

अनुसूची

क्रम सं०	आयकर अधिकारी का पदनाम	अधिकार-क्षेत्र
1	2	3
1.	आयकर अधिकारी, डि०-1 (1) नई दिल्ली।	1. आयकर अधिनियम 1961 की धारा 127 के अंतर्गत उसे पहले ही सौंपे गए या इसके बाद सौंपे जाने वाले सभी मामले। 2. ऐसे सभी मामले जिनमें 18-8-77 तक आयकर वितरणी वाखिल कर दी गई है या धारा 139 (2) या 148 के अंतर्गत नोटिस जारी कर दिए गए हैं। 3. ऊपर कालम-2 में निर्दिष्ट वर्णमाला के अक्षरों के अंतर्गत आने वाली फर्मों के सभी भागीदार व्यक्ति।

1	2	3
2. आयकर अधिकारी, डि०-1 (2) नई दिल्ली।	1. ऐसे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय के वर्ग तथा मामले या मामलों के वर्ग जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के अक्षर 'ए' से 'जी' (दोनों को मिलाकर) तक किसी भी अक्षर से आरंभ होते हों। 2. ऊपर कालम-1 में निर्दिष्ट वर्णमाला के अक्षरों के अंतर्गत आने वाली फर्मों के सभी भागीदार व्यक्ति।	
3. आयकर अधिकारी, डि० 1 (3) नई दिल्ली।	1. ऐसे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग आय या आय के वर्ग तथा मामले या मामलों के वर्ग जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के अक्षर 'एच' से 'ओ' (दोनों को मिलाकर) तक किसी भी अक्षर से आरंभ होते हों। 2. ऊपर कालम-1 में निर्दिष्ट वर्णमाला के अक्षरों के अंतर्गत आने वाली फर्मों के सभी भागीदार व्यक्ति।	
4. आयकर अधिकारी, डि०-1 (4) नई दिल्ली।	1. ऐसे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग तथा मामले या मामलों के वर्ग जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के अक्षर 'पी' से 'जेड' (दोनों को मिलाकर) तक किसी भी अक्षर से आरंभ होते हों। 2. ऊपर कालम-1 में निर्दिष्ट वर्णमाला के अक्षरों के अंतर्गत आने वाली फर्मों के सभी भागीदार व्यक्ति।	

सं० जुरि-दिल्ली/5/77-78/22075—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर आयुक्त, दिल्ली-5 नई दिल्ली निदेश देते हैं कि 19-8-77 से निम्नलिखित आयकर डिस्ट्रिक्ट/सकिल समाप्त हो जाएंगे :—

1/डिस्ट्रिक्ट-1 (2) अतिरिक्त, नई दिल्ली।

सं० जुरि-दिल्ली-5/77-78/22177—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-2 में बताए गए आयकर सर्किल कालम-3 में बताए गए वार्ड/सर्किलों के साथ मिला दिए जाएंगे। इसके परिणामस्वरूप मिलाए गए वार्डों के मामले उन वार्डों में वापिस चले जाएंगे जिनके साथ वे मिलाए गए हैं।

अनुसूची

क्र० सं०	मिलाए गए वार्डों का नाम	जिनके साथ वार्ड को मिलाया गया है उस वार्ड का नाम
1	डाक्टर सर्किल-1 तथा 2	डाक्टर सर्किल
2	डि०-4 (1) अतिरिक्त	डि०-4 (4)
3	डि०-3 (22)	डि०-3 (19)
4	डि०-3 (21) व (23)	डि०-3 (20)

यह अधिसूचना 19-8-77 से लागू होगी।

सं० जुरि/दिल्ली/5/77-78/22279—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले के आदेशों में संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उक्त अनुसूची के कालम 2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्ट/सर्किल के आयकर अधिकारियों के अधिकार-क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में उक्त अधिनियम के अंतर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे :—

अनुसूची

रेंज	आयकर डिस्ट्रिक्ट सर्किल
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-5 (सी), नई दिल्ली	1. डिस्ट्रिक्ट-4, नई दिल्ली। 2. स्पेशल सर्किल-8, नई दिल्ली। 3. विदेश अनुभाग, नई दिल्ली
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-5 (डी), नई दिल्ली	1. डि०-2(3), (9), (10) 2. (11) अतिरिक्त व 2 (15) नई दिल्ली 2. डि०-1 (1), 1 (2), 1 (2) अतिरिक्त, 1 (3) तथा 1 (4) नई दिल्ली। 3. डाक्टर सर्किल-1, तथा 2, नई दिल्ली।

यह अधिसूचना 19-8-77 से लागू होगी।

3—256GI/77

दिनांक 30 अगस्त 1977

सं० जुरि-दिल्ली/77-78/23153—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 34वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले के आदेशों में संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, उक्त अनुसूची के कालम-2 में बताए गए डिस्ट्रिक्ट/सर्किल के आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में उक्त अधिनियम के अंतर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे :—

अनुसूची

रेंज	आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
1	2
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-5 (बी), नई दिल्ली	1. डि०-3 (19), 3 (20), 3 (21), 3 (22) 3 (23) तथा 3 (27) नई दिल्ली। 2. डि०-7, नई दिल्ली। 3. डि०-9, नई दिल्ली। 4. स्पेशल सर्किल-8 (अतिरिक्त नई दिल्ली। 5. रिफण्ड सर्किल, नई दिल्ली।

यह अधिसूचना 30-8-1977 से लागू होगी।

दिनांक 7 सितम्बर 1977

सं० सी० आई० टी०-5/जे० यू० आर०/डी० एल० आई०/77-78/2481—धारा 127 के अंतर्गत डाक्टर सर्किल-2 के मामले सौपने के बारे में धारा 127 के अंतर्गत जारी किए गए दिनांक 31-1-76 के आदेश संख्या 4/1976 का अधिक्रमण करते हुए तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली आदेश देते हैं उपयुक्त आदेश में जहाँ कहीं “डाक्टर सर्किल-2” शब्द आया हो उसे दिनांक 16-8-77 से डाक्टर सर्किल पढ़ा जाए। इसके परिणामस्वरूप उपयुक्त आदेश के अनुसार धारा 127 के अंतर्गत सौंपे गए सभी मामलों पर इसके बाद आयकर अधिकारी डाक्टर सर्किल द्वारा कार्रवाई की जायेगी।

के० आर० राघवन,
आयकर आयुक्त,
दिल्ली-5, नई दिल्ली

पटना, दिनांक 28 जुलाई 1977

आदेश

सं० जी० सी०-2-11-3/74—इस कार्यालय के आदेश सं० ए० सी० आई० टी०/जी० एल/आठ-14/71-72 दिनांक 24 फरवरी 1973 तथा समसंख्यक आदेश दिनांक 6 सितम्बर 1974 में आशिक सुधार करते हुए एतद्वारा यह निदेश दिया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची के खण्ड-2 में उल्लिखित कर वसूली अधिकारी खंड 4 में उल्लिखित आयकर अंचलों के अधीन निर्धारित होने वाले व्यक्तियों जिनका मुख्यालय खण्ड-3 में उल्लिखित राजस्व जिला के अन्तर्गत पड़ता है के संबंध में कर वसूली का कार्य करेंगे।

अनुसूची

क्र० सं०	कर वसूली अधिकारी	जिला	आयकर अधिकारी का क्षेत्राधिकार
1.	कर वसूली अधिकारी-I पटना	(i) जिला पटना	1. आयकर अंचल-I, पटना 2. विशेष अंचल-I, पटना 3. विशेष अंचल-II, पटना
		(ii) जिला भोजपुर	4. आयकर अंचल, आरा
		(iii) जिला रोहतास	5. आयकर अंचल, सासाराम
		(iv) जिला नालन्दा	6. आयकर अंचल, नालन्दा
		(v) जिला नवादा	
2.	कर वसूली अधिकारी-II, पटना	(i) जिला पटना	(1) आयकर अंचल-II, पटना (2) आयकर अंचल-III, पटना
3.	कर वसूली अधिकारी, मुजफ्फरपुर	(1) जिला मुजफ्फरपुर (2) जिला सीतामढ़ी	(1) आयकर अंचल, मुजफ्फरपुर। (2) आयकर अधिकारी, सर्वेक्षण, मुजफ्फरपुर।
		(3) जिला वैशाल	
		(4) जिला पू० चम्पारण	(3) आयकर अंचल, मोतीहारी।
		(5) जिला पू० चम्पारण	(4) आयकर अंचल, बेतिया।
		(6) जिला सारण	(5) आयकर अंचल, छपरा।
		(7) जिला सिवान	
4.	कर वसूली अधिकारी, धनबाद	(1) जिला गया (2) जिला, नवादा (3) जिला, औरंगाबाद (4) जिला, धनबाद	(1) आयकर अंचल, गया (2) आयकर अंचल-I, धनबाद। (3) आयकर अंचल-II, धनबाद। (4) विशेष अंचल, धनबाद। (5) आयकर अंचल, बोकारो।
		(5) जिला हजारीबाग	(6) आयकर अंचल, हजारीबाग।
		(6) जिला, गिरडीह	(7) आयकर अंचल, गिरडीह।
			(8) आयकर अधिकारी, सर्वेक्षण, धनबाद।

नोट :—अनुसूची के खंड-2 में उल्लिखित कर-वसूली अधिकारियों को, खण्ड-4 में उल्लिखित बिहार प्रभाग तथा अन्य राज्यों के उन अंचलों को छोड़कर जोकि निष्पादन हेतु खण्ड-3 में वर्णित जिलों के अन्तर्गत पड़ेंगे, आयकर अधिकारियों द्वारा जारी किए गए सभी प्रमाण-पत्रों (सर्टिफिकेट) पर भी क्षेत्राधिकार होगा।

एम० आर० खगबन्दा
आयकर आयुक्त, बिहार-I, पटना।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

अर्जन रेंज, शिलांग कार्यालय

शिलांग, दिनांक 26 अगस्त 1977

निर्देश सं० ए०-135/तेज/77-78—यतः, मुझे, एगबर्त सिंग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दाग सं० 58 है, तथा जो वालिचपरि गांव मौजा महा भैरव तेजपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-2-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल गिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्री काजि अलाल अहीन काजि

(अन्तरक)

2. 1. कमल आदन और महमद हुसिन, माजिद रोड, तेजपुर

2. श्री बेद राज दुआर, तेजपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूची

जमीन कि माप दो बीघा और सोलह लेखा और उसके एक आसाम टाइप का मकान जो कि वालिचापारि गांव मौजा महाभैरव, तेजपुर शहर दरंग जिला में स्थित है।

एगबर्त सिंग
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 26-8-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 30-ए०/अर्जन/देहरादून/77-78/2833—
यतः, मुझे, आर० पी० भार्गव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० है, तथा जो में
स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
2-2-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दीवान चन्द पुत्र नारायण दास निवासी 55-ए०
ई० सी० रोड, देहरादून
(अन्तरक)

2. श्री देवेन्द्र कुमार सिंह और सत्येन्द्र कुमार सिंह पुत्रगण
यशपाल सिंह निवासी 47 ओल्ड डिस्पेन्सरी रोड
देहरादून
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्समधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूकान नं० 55-ए० ई० सी० रोड, देहरादून
में स्थित 50,000 के विक्रय मूल्य में बेची गई।

आर० पी० भार्गव

सक्षम आधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 7-9-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 100/अर्जन/देहरादून/77-78/2833—यत्, मुझे, आर० पी० भार्गव,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है, तथा जो में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से गणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (108 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थित :—

1. श्री सुरेन्द्र कुमार बन्सल 3 इन्दर रोड, देहरादून (अन्तरक)

2. श्री प्रदीप कुमार शारदा और सन्तोष कुमार शारदा 3 इन्दर रोड, देहरादून (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 3 का भाग इन्दर रोड देहरादून 18,000 के विक्रय मूल्य में बेची गई।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-9-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री पी० के० वन्सल 3, इन्दर रोड, देहरादून
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 97/अर्जन/देहरादून/77-78/2837—यतः,
मुझे, आर० पी० भार्गव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० है, तथा जो
में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख दिसम्बर 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधिनियम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. प्रदीप कुमार शारदा और सन्दीप कुमार शारदा
(अवयस्क) द्वारा स्नेहलता शारदा 3, इन्दर रोड,
देहरादून
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 3 का भाग इन्दर रोड, देहरादून
में स्थित 18,000/- के विक्रय मूल्य में बेची गई।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-9-1977
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कार्यालय

कानपुर, दिनांक 2 मितम्बर 1977

निर्देश सं० 95/अर्जन/देहरादून/77-78/2836—यतः,
मुझे, आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुशील रतन वन्सल, 3, इन्दर रोड, देहरादून।
(अन्तरक)

2. श्री प्रवीप कुमार शारदा और सन्दीप कुमार शारदा (अवयस्क) द्वारा स्नेह लता शारदा, 3, इन्दर रोड, देहरादून।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 3, इन्दर रोड, देहरादून 18,000 के विक्रय मूल्य में बेची गई।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-9-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 101/अर्जन/देहरादून/77-78/2835—
 यतः, मुझे, आर० पी० भागव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो में
 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में रजिस्ट्री-
 करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
 दिसम्बर 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
 फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

1. रमेश चन्द वन्मल, 3, इन्दर रोड, देहरादून
 (अन्तरक)
2. श्री प्रदीप कुमार शारदा और मास्टर मन्दीप कुमार
 शारदा 3, इन्दर रोड, देहरादून (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
 है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
 दिया है।

अनुसूची

अव्यक्त सम्पत्ति मकान नं० 3 का भाग, इन्दर रोड
 देहरादून 18,000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गई।

आर० पी० भागव
 सक्षम अधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीराम वन्सल 3, इन्दर रोड देहरादून

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री प्रदीप कुमार शारदा और सन्दीप कुमार शारदा
3 इन्दर रोड देहरादून

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 सितम्बर 1977

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० 96/अर्जन/देहरादून/77-78/2834—अतः मुझे, आर० पी० भार्गव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

4—256GI/77

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 3 इन्दर रोड देहरादून 20,000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गई।

आर० पी० भार्गव,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जेंट रेंज, कानपुर

तारीख : 2-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना कार्यालय

पूना-411004, दिनांक 27 अगस्त 1977

निर्देश सं० सी० ए० 5/हवेली-1/मार्च 77/337—यतः,
मुझे, श्रीमती पी० ललवानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फा० प्लॉट क्र० 590/1 और 590/2 सी० एस० क्र० 1241/बी०, और सी०, है, तथा जो आपटे रोड, पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवेली-1 पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-3-1977

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मै० साडर्न बिल्डर्स 1187/29, घोले रोड, पूना-4 (अन्तरक)
2. श्री यशोधन को-आपरेटिव होमिंग सोसायटी लि० 1241, आपटे रोड, पूना-4 (अन्तरिती)।
3. (1) श्री आर० आर० बोगावके
(2) श्री एस० बी० बोगावके
(3) श्री डब्ल्यू० डी० गिरमे

- (4) श्री ए० पी० जोशी
- (5) श्रीमती एस० एस० व्यास
- (6) श्रीमती नीला ए० जाईल
- (7) श्री एम० एम० जोशीगव
- (8) श्री बी० बाय० ताम्हने
- (9) श्रीमती कांता नीमहने
- (10) श्री एच० बी० मुधा
- (11) श्रीमती सीमा एम० कुलकर्णी
- (12) श्री एम० व्ही० मराठे
- (13) श्री एस० एस० ठाकोर
- (14) श्री एम० बी० साठे
- (15) श्री व्ही० जी० वसारिया
- (16) श्री एम० डब्ल्यू० चिपलूतकर
- (17) श्री आर० एम० दलाल
- (18) श्री एस० के० देव
- (19) श्री हाटेल श्रेयस
- (20) रेस्टारेंट श्रेयस
- (21) श्रीमती व्ही० जी० चंद्रास
- (22) श्री डी० एम० दिक्षीत
- (23) श्री एस० व्ही० साठे
- (24) श्री एस० आर० रवाटोड

सभी 1241, आपटे रोड, पुणे-4

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और बिल्डिंग—फा० प्लॉट क्र० 590/1 और 590/2, टाऊन प्लानिंग स्कीम क्र० 1, सि० सं० क्र० 1241/बी० और सी० पूना (प्रापटी जैम कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 440 दिनांक 31-3-77 को सब-रजिस्ट्रार हवेली-1, पूना के दफ्तर में लिखा है।

श्रीमती पी० ललवानी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 27-8-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 27 अगस्त 1977

निर्देश सं० सी० ए० 5/जलगांव/करवरी 77/338—
यतः, मुझे, श्रीमती पी० ललवानी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी० टी० एम० क्र० 2683-ए-1/47 प्लॉट क्र० 47 है, तथा जो जलगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जलगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-2-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कालीदास दत्तात्रय जोशी पोस्ट एनपुर, ता०-रावेर, जि० जलगांव

(अन्तरक)

2. श्री पुत्रराज दलीचन्द संघवी, भानु-निवास, नटराज थिएटर रोड जिलापेठ, जलगांव

(अन्तरिती)

3. टाऊन प्लानिंग आफिस, शाहुनगर, जलगांव

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० सी० टी० एम० क्र० 2683-ए-1/47, प्लॉट क्र० 47 शाहुनगर, जलगांव,।

क्षेत्रफल:—506.6 वर्ग मीटर्स, बांधे हुये मकान 253.3 वर्ग मीटर्स

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 166 दि० 2-2-77 को सब-रजिस्ट्रार जलगांव के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 27-8-1977

मोहर :

रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 सितम्बर 1977

निर्देश सं० बी० जी० आर०/डी० एल० आई०)/16/76-77—यतः, मुझे, रविन्द्र कुमार पठानियां, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, रोहतक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० इमारत सहित भूमि जो 167 कनाल 3 मरला जो कि 25 किलोमीटर स्टोन दिल्ली मधुरा रोड पर स्थित है तथा जो सैक्टर 27-ए० इन्डस्ट्रीयल एरिया, अर्बन इस्टेट फरीदाबाद में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स किरलोस्कर आयल इन्जनज लिमिटेड लक्ष्मण राव किरलोस्कर रोड, खड़की पूर्ण (महाराष्ट्र) (अन्तरक)

2. मैसर्स एस्कार्टस लिमिटेड महाजन हाऊस साऊथ एक्सटेन्शन पार्ट II नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूची

सभी मशीनों अथवा सामान सहित ईमारत 55997/31 वर्ग फुट जो कि 167 कनाल 3 मरला भूमि पर मेवला महाराज पुर तहसील बल्लबगढ़ जिला गुडगांव में 25 किलोमीटर स्टोन दिल्ली मधुरा रोड पर स्थित है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दिल्ली के कार्यालय में रजिस्ट्रीकृत विलेख नम्बर 15, जो कि जनवरी, 1977 में लिखा है)।

रविन्द्र कुमार पठानियां
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख : 3 सितम्बर 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 सितम्बर 1977

निर्देश सं० बी० जी० आर०/17/76-77—यतः, मुझे, रविन्द्र कुमार पठानियां, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 319 पर फैक्ट्री बिल्डिंग है, तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना:—

1. श्रीमती तारा बाला पति श्री नवल किशोर निवासी 5 ई०-14 बी० पी० टाऊनशिप, फरीदाबाद

(अन्तरक)

2. मैसर्स एम० एल० सी० इन्टरनेशनल प्लॉट नं० 319, सैक्टर 24, एन० आई० टी० फरीदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 319 पर फैक्ट्री बिल्डिंग जो कि सैक्टर 24, एन० आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है तथा जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं:—

दक्षिण :—सड़क

पूर्व :—फैक्ट्री प्लॉट नं० 320

पश्चिम :—फैक्ट्री प्लॉट नं० 318

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6389, जनवरी, 1977 में लिखा है)।

रविन्द्र कुमार पठानियां

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख : 3-9-1977

मोहर :

रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 सितम्बर 1977

निर्देश सं० सी० एच० डी०/74/76-77—यतः, मुझे, रविन्द्र कुमार पठानियां, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 138, सेक्टर 21-ए०, चण्डीगढ़ का 1/2 हिस्सा है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या अन्य वास्तियों को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती रामा चोपड़ा मकान नं० 138, सेक्टर 21-ए०, चण्डीगढ़
(अन्तरक)

2. श्री रघुबीर पुत्र श्री सुगर रेलवे कारोनी, रूपनगर (पंजाब)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

रजिस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

10 मकान नं० 138 का 1/2 हिस्सा, सेक्टर 21-ए०, चण्डीगढ़ (सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 867 जनवरी 1977 में लिखा है) ।

रविन्द्र कुमार पठानियां
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 3 सितम्बर 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. दी० कामिल फिक्कीस, कोचिन-5

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचिन-15, दिनांक 9 सितम्बर 1977

निर्देश सं० एल० सी० 146/77-78—यत्न, मुझे;
सी० पी० ए० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो रामेश्वरम
विलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोचिन
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 19-1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्री वी० डी० जोसेफ, वयलट तामस के पुत्र, वयलट
होम, कोचिन-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

72 cents of land with buildings Nos. XVIII/104, 105, 106,
108, 109 & 110 in Rameswaram village, Ernakulam District
vide schedule to document No. 156 of 1977 dated 19-1-1977
of Sub Registry, Cochin.

सी० पी० ए० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 9-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास कार्यालय-600006

मद्रास-600006, दिनांक 5 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 3780/76-77—यतः, मुझे के० पोन्नन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पट्टुकोटै री० सर्वे सं० 108 तथा जो
(पल्लिवामल स्ट्रीट) में 27 सेन्ट (5+22) में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पट्टुकोटै (डाकुमेण्ट
6/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 7-1-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मानिक पत्तार और श्रीमती अम्पुजतम्माल
(अन्तरक)

2. श्रीमती पुनितवनि अम्माल
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

- (1) पट्टुकोटै, पल्लिवामल स्ट्रीट, री० सर्वे सं० 108
में 5 सेन्ट की खाली भूमि ।
- (2) पट्टुकोटै, पल्लिवामल स्ट्रीट, री० सर्वे सं० 108
में 22 सेन्ट का भूमि (मकान के साथ) ।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास-600006

तारीख : 5-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री डी० सौन्दरराजन और डी० सुन्दरराजन
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

3. श्री राजा के० रंगनातन
(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600006

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास-600006, दिनांक 5 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 4187/76-77—यतः, मुझे, के० पोन्नन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० डोर सं० 13/107, गांधीपुरम है, तथा जो
स्ट्रीट नं० 6, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, गांधीपुरम (डाकुमेन्ट 17/77) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी 1977 को

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

कोयम्बतूर, गांधीपुरम स्ट्रीट सं० 6, टी० एस० सं०
11/919 और 920, ब्लाक 29, डोर सं० 13/107 में 5
सेन्ट और 177 स्क्वियर फीट का भूमि (मकान के साथ) ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

5—256GI/77

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास-600006

तारीख : 5-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री डी० सौन्दरराजन श्रीर डी० सुन्दरराजन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री राजा के० कम्पन्नन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 5 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 4187/76-77—यतः, मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 6, डोर सं० 13/107 है, तथा जो कोयम्बतूर, गांधीपुरम स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीपुरम, (डकुमेन्ट 18/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, गांधीपुरम स्ट्रीट सं० 6, टी० एन० सं० 11/919 और 920, ब्लॉक सं० 29, डोर सं० 13/107 में 5 सेण्ट और 177 स्क्वियर फीट (मकान के साथ)।

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास-600006

तारीख : 5-9-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 5 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 4195/76-77—यतः, मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी डोर सं० 8 ए०/68, 69, 70 टाटापाद है, तथा जो स्ट्रीट सं० 7, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम (डाकुमेण्ट 55/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) ए० जनार्नि,
(2) ए० अहमद बहीर,
(3) ए० राजिय,
(4) ए० बहुद्दीन,
(5) ए० अब्दुल लतिफ,
(6) ए० मुनल्लारा,
(7) ए० नीजा मोहदीन, (मैनर) और
(8) ए० मोहमद मनि (मैनर) (अन्तरक)

2. श्री डी० बाबु राव (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, टाटापाद स्ट्रीट सं० 7, डोर सं० 8 ए०/68, 69 और 70 (टी० एम० सं० 11/597/1 भाग में 2802 स्क्वयर फीट का भूमि (मकान के साथ)।

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास-600006,

तारीख : 5-9-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री नर्सि तुलसिदास

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री एफ० कोलको

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 5 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 4196/76-77—यनः, मुझे, के० पोन्नन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी डोर सं० 11, गोविन्द सिंह है, तथा जो
रोड, आर० एस० पुरम, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट 104/77)
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 18-1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, आर० एस० पुरम, गोविन्द सिंह रोड, डोर
सं० 11 में भूमि और मकान (टी० एस० सं० 8/12)।

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600006

तारीख : 5-9-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री कैप्टन जान फ्राफ्टन होम।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

2. डाक्टर एन० बी० नन्जप्पा और श्रीमती टी० जयम्माल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 5 मितम्बर 1977

निर्देश सं० 4197/76-77—यतः, मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० क्लिफ्टन हाउस, ओल्ड गार्डन रोड, ऊटकमण्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऊटकमण्ड (डाकुमेण्ट 58/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-1-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ऊटकमण्ड, ओल्ड गार्डन रोड, आर० एस० सं० 4188/2 में 0-41 एकड़ का भूमि (मकान के साथ) (क्लिफ्टन हाउस)।

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास-600006

तारीख : 5-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, काकिनाडा-600006

काकिनाडा, दिनांक 6 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 431—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 7/433 है, तथा जो गोडुगुपेटा में स्थित है
(और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मचलीपटनम में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 24-1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती के० मरोजिनी
(2) श्री के० राम कुण्ठण दास गोडुगुपेटा मचलीपटनम।
(अन्तरक)
2. (1) श्री चनुवादि कुण्ठण मूर्ति
(2) श्री चनुवादि वीरानजनेथ मुब्रह्मनयम मचलीपटनम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मचलीपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंतः 31-1-77
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 168/77 में निगमित अनुसूची
संपत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 6-9-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. (1) श्रीमती के० सरोजिनी

(2) के० रामकृष्णदास गोडगुपेडा, मचलीपटनम (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 6 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 432—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 7/433 है, तथा जो गोडगुपेडा में स्थित है, (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मचलीपटनम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

2. (1) श्री चलुवादि कृष्णमूर्ती

(2) श्री चलुवादि वीरानजनेय सुब्रह्मनयम मचलीपटनम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मचलीपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पंक्षिक अंत 15-5-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1246/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 6-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 6 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 433—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० नं० 290/4 और 4/138 है, तथा जो अवनिगडु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अवनिगडु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-1-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री गोगिनेनि अम्मय्या
 - (2) श्री गोगिनेनि वेंकटनायण
 - (3) श्री गोगिनेनि सामबसिवराव
 - (4) श्री वेमुकापल्ली शिवरामकृष्ण प्रसाद
 - (5) श्री वेमुकापल्ली राम कृष्ण कृष्णपुरम
 - (6) श्री मुप्पनेनि लक्ष्मीनारायण
 - (7) श्री मुप्पनेनि राजेन्द्र प्रसाद
- } —जयपुरम
} कांडूरु
(अन्तरक)

2. (1) श्री जि० सूर्यनारायण
 - (2) श्रीमती जि० सुशीला
 - (3) जि० गननाप्रसाद अवनिगडु
 - (4) जि० श्रीनिवास दिवितालूक काजा वेंकटेश्वर राव श्री विजय लक्ष्मी रेस मिल्स
- (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अवनिगडु रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 15-1-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 5/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 6-9-1977
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 6 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 434—यत्तः, मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 5290/484/138 (राईस मिल) है, तथा जो अबानी गाँव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—256GI/77

1. (1) श्री पी० वेंकय्या
- (2) श्री पी० वि० नरसिंहाराव
- (3) श्री पी० राजेन्द्र बाबू
- (4) श्री एम० कोटेश्वरराव
- (5) एम० मुड्डुकुण्ण
- (6) एम० सत्याकृष्ण कोडूरु दिवि तालूक (अन्तरक)

2. (1) श्री जि० सूर्यनारायण
- (2) श्रीमती जि० मुणीला
- (3) जि० र्नाना प्रसाद
- (4) जि० श्रीनिवास अबनिगुडा काजा वेंकटेश्वरराव श्री विजय लक्ष्मी रैस मिल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूचो

अबनिगुड रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-1-77 में पंजीकृत दस्तावेज न० 5/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 6-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 6 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 435—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6-16-31 है, तथा जो अरुकडकपेटा में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुन्टूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मुन्ता नागराजु सुन्दरमूर्ती हिमयतनगर, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री हाजी इब्रहिम खान संगडिगुन्टा गुन्टूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-1-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 36/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 6-9-1977

सोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

घायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 6 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 436—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 5/395/ए० और सी० एस० नं० 8-2-36 है, जो राजमन्त्री में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची है, तथा जो राजमन्त्री में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमन्त्री में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री समथ मंथुला वेंकटेश्वर राव
(2) सिहाद्री राम सुब्रमन्य स्वर राव राजमन्त्री (अन्तरक)
2. श्री पदरती कृष्ण मोहन गुप्ता राजमन्त्री
3. श्री महावीर टेंडिंग कम्पनी राजमन्त्री (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

राजमन्त्री रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-1-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 193/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 6-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 437—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 26-2-7 ए है, तथा जो विजयावाड़ा में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयावाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-1-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पि० श्रीरामचन्द्र मूर्ती विजयावाड़ा

(अन्तरक)

2. श्री सिंहाद्री वीर वेंकटानाग सुब्बराम गुप्ता विजयावाड़ा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयावाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी में पौक्षिक अंत 31-1-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 93/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 7-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 8 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 438—यतः, मूसे, एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 16/19 है, तथा जो गूडिवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय गूडिवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती मूकुनूरी वेंकट अश्वपूण विसालक्षि गूडिवाड़ा (अन्तरक)
2. श्रीमती पेद्दिमोटला वनजा कुमारी एलूरू (अन्तरिती)
3. (1) श्री रामचन्द्राराव
(2) श्री कोनडैस्वरराव गूडिवाड़ा (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गूडिवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-1-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 15/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 8-9-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 8 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 439—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी आर० सं० 584, 585, 651 से 653 है, तथा जो कलूवचर्ला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोरुकोंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-1-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत्, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती भमिडिपाटी सुब्बलक्ष्मी
(2) श्री भमिडिपाटी सुब्रह्मयमन, राजानगरम
(अन्तरक)
2. (1) श्रीमती तेतला सुब्बयम्मा
(2) श्रीमती तीडि सत्यवती कुतुकूलू
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोरुकोंडा रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंत 31-1-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 71/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 8-9-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. (1) श्री जिबूरी मल्लेस्वराय
- (2) श्री जिबूरि वेंकटराज
- (3) श्री जिबूरी काशीविश्वेश्वर राव, नागवर्म,
- (4) श्रीमती डि० मत्यर्वात यानम

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 8 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 440—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी आर० सं० 212/3 और 4, 212/8 और 259/10 है, था जो माचवरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमबाजीपेटा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-1-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री मुत्तक राजाराव, कोलपाटवारी पालेम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अमबाजीपेटा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-1-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 95/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 8-9-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 8 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 441—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० नं० 74/1 है, तथा जो रमनथ्यापेटा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री इवतुकी नागमणि, काकिनाडा

(अ)

2. श्री मुत्तागोपाल कृष्ण, काकिनाडा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-1-77 में पंजीकृत दस्तवेज नं० 172/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 8-12-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 8 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 442—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० आर० नं० 823/5 है, तथा जो मुराकोंडपाडू
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बापटला में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 28-1-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री ताडिकमल्ला नागेंद्रुडु
- (2) श्रीमती चेत्रोलु सुब्बम्मा
- (3) श्री चेत्रोलु राघवराव
- (4) श्रीमती सातुलूरि धनलक्ष्मी
- (5) श्री सातुलूरि पल्लामंदा
- (6) श्रीमती अरुमकुरी वेंकटलक्ष्मी
- (7) श्रीमती पोलिसैही राम सीता

- (8) श्रीमती यररा रतनम्मा
 - (9) श्री यररा चन्द्रमौली
 - (10) श्री कोम्माने निर्वेकटेश्वर राव
 - (11) श्रीमती मेटला राज कुमारी
 - (12) श्री कोत्ता आनजनेयू
 - (13) श्रीमती कोत्ता वेन्कटसुब्बम्मा
 - (14) श्री कोत्ता गुरुवर्या
 - (15) श्री कोत्ता लक्ष्मीनारायण
 - (16) श्रीमती तडवर्ती स्वराज्यम
 - (17) श्री नुव्वुल्ला पुष्पाय्या
 - (18) श्रीमती नुव्वुल्ला अंकम्मा
 - (19) श्री नुव्वुल्ला गोपालाकृष्ण
 - (20) श्री मानम पावाराव
- श्री आनजनेया राहस मिल, बेतपूडि

(अन्तरक)

1. (1) श्री जल्ली मल्लिकार्जुन राव } इपुरुपालेम श्रीराल
- (2) श्री जल्ली मधुसूदन राव } तालुम
- (3) श्री जल्ली सकरा राव }

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

बापटला रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-1-77 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 165/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 8-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 8 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 443—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० आर० दं० 823/5 है, तथा जो मुराकोडांपाडू
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बापटला में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 28-1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री शैक दादा साहेब
- (2) श्री येरा वेंकप्पा
- (3) श्री मक्केना वीरप्पा
- (4) श्री मक्केना सूर्यनारायण
- (5) श्री मक्केना बुक्काप्पा
- (6) श्री मक्केना सुब्बाराव

- (7) श्री यालंगुट्टा वेंकटेश्वरु
- (8) श्री कारुमंची रामप्पा
- (9) श्री तडिकमल्ला मुब्बाराव
- (10) श्री तडिकमल्ला पट्टाभिरामप्पा
- (11) श्री शेक नबी साहेब
- (12) श्री चन्द्रापति सत्यन्नारायण
- (13) श्री चेत्रोलू वेंकटेश्वरु
- (14) श्री सथ्यद खादर वल्ली साहेब
- (15) श्री सातुलूरि कोटिलिंगम
- (16) श्री तडिकमल्ला सुब्बारायडू

मसर्स श्री आनजनेथा राइस मिल, बेतपूडि ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री गल्लि मल्लिकार्जुन राव
- (2) जी० नागवरा सिवा प्रसाद डुपुक्पालेम जीराला
तालुक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

बापटला रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंत 31-1-77 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 164/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 8-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14 क आसफअली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली-1 दिनांक 3 सितम्बर 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/257/77-78—

यतः, मुझे, ए० एल० सूद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 52/84 है, तथा जो डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री हरबन्स लाल जैन, सुपुत्र श्री खूशी राम, निवासी 52/84, रामजस रोड, करौल बाग, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री कृष्ण लाल सेठी, सुपुत्र श्री अमीर चन्द सेठी, (2) श्री भीम सैन सेठी, सुपुत्र श्री चौधरी राम सेठी, निवासी 61/25, रामजस रोड, करौल बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

3. श्री विजय कुमार तथा श्री जगदीश नन्द (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला भूकान (बिल्डिंग) जोकि 256.40 वर्ग गज क्षेत्रफल की भूमि पर बनी हुई है, जिसका नं० 52/84 है, डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, रामजस रोड, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं० 52/83

पश्चिम : जायदाद नं० 52/85

उत्तर : सड़क लेन

दक्षिण : रोड

अमृत लाल सूद

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण),

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 3-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 3 सितम्बर 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 258/77-78—
यतः, मुझे, ए० एल० सूद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है
और जिसकी सं० खसरा नं० 1738 से 45 तक
जिसकी सं० खसरा नं० 1738 है 45 तक है, तथा जो उत्तरपुर
दिल्ली राज्य, दिल्ली में गांव, स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन;
निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

1. श्री रामीन्द्र सिंह दुग्गल, (एच० यू० एफ०) इनके
कर्ता श्री रामीन्द्र सिंह दुग्गल के द्वारा, सुपुत्र श्री
उत्तम सिंह दुग्गल, निवासी 3, गोलफ लिंकस, नई
दिल्ली

(अन्तरक)

2. मै० आर० एस० अवतार सिंह एण्ड कं०, आर०-
73, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-1 इनके हिस्सेदार
श्री स्वर्णजीत सिंह के द्वारा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुछ भूमि जिसका क्षेत्रफल 27 बीघा तथा 18 बिसवा
है और खसरा नं० 1738/2 (3-18), 1739/1 (4-2),
1739/2 (0-14), 1742/2 (0-14), 1742/ (4-16),
1743/1 (1-18), 1743/2/3 (2-18), 1744 (4-16),
1745 (4-16) है, तथा साथ में एक फार्म हाउस भी है
जिसमें दो बैड रूम, चार बाथ रूम, एक ड्राईंग रूम, एक
डाईनिंग रूम, एक रसोई, एक स्वीमिंग पूल, तीन सरबेन्ट रूम,
ट्यूबवैल, बाउंड्री वाल, (जोकि दिल्ली नगर निगम द्वारा
प्रमाणित है) है, उत्तरपुर गांव, तहसील महरीली, नई दिल्ली
में है।

अमृत लाल सूद
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 3-9-1977

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 3 मिनम्बर 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/259/77-78—

यतः, मुझे, ए० एल सूद,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डब्ल्यू० जेड०-33 है, तथा जो शाम नगर एक्स-टेन्शन, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुलजारी लाल, सुपुत्र श्री अचरज राम, निवासी मकान नं० सी०-8/6 ए०, लारेन्स रोड, दिल्ली (2) श्रीमती गुलशन देवी, पत्नी श्री दिवान चन्द गरोवर, मकान नं० सी०-4/156 ए०, लारेन्स रोड, दिल्ली । इनके जनरल पावर आफ अटारनी श्री गुरचरन सिंह, सुपुत्र श्री चैन सिंह के द्वारा, गुलनानक सां मिल्स, ए०-41, डब्ल्यू० एच० एस० (वैयर हाउसिंग स्कीम), कीर्ति नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री परमजीत सिंह, सुपुत्र श्री सुन्दर सिंह, निवासी मकान नं० डब्ल्यू० जेड-33, शाम नगर एक्सटेन्शन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि 100 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 17/डब्ल्यू० जेड०-33 है, शाम नगर एक्सटेन्शन, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० 18

पश्चिम : प्लॉट नं० 16

उत्तर : स्ट्रीट

दक्षि : स्ट्रीट

अमृत लाल सूद,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 3-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 अगस्त, 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/260/77-78/
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जे-180 है तथा जो राजौरी गार्डन नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25-1-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री देव राज तथा मूलख राज, सुपुत्र स्वर्गीय श्री बलराज
कपूर, निवासी जे-180, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री हरीश चन्द रस्तोगी, सुपुत्र श्री आनन्द सारूप रस्तोगी,
निवासी जे-180 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अनुसूची 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जोकि 23134/10 वर्ग गज क्षेत्रफल के फ्री होल्ड
प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० जे-160 है, राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : रोड़
पश्चिम : सर्विस लेन
उत्तर : रोड़
दक्षिण : जायदाद नं० जे-181

अमृत लाल सूद
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 9-9-1977
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 3 सितम्बर 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1275/77-78/—

अतः मुझे ए० एल० सूद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11255/14/5 गली नं० 2 है तथा जो डोरीवाला, शादीपुरा, दिल्ली में स्थित है (और संसे उपाबद्ध अनुसूची में पूव रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुमित्रा रानी, पत्नी श्री राम लाल, निवासी 11 185, मन्दिर रोड, डोरीवाला गली, गीदीपुरा, दिल्ली-1।

(अन्तरक)

2. श्री सतीश आनन्द, तथा अशोक आनन्द, सुपुत्र श्री हरी दास आनन्द, निवासी 11251, गीदीपुरा, डोरीवाला, दिल्ली-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना 11 सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रचल होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ठाई मंजिला मकान करीब 40 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका म्यूनिसिपल नं० 11255/14/5 है, गीदीपुरा, करोल बाग, डोरीवाला, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : मकान नं० 11255/4
पश्चिम : मकान नं० 11255/6
उत्तर : गली
दक्षिण : साक्षात् रास्ता

ए० एल० सूद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 3-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री रघुनाथ पटनायक (अन्तर,)

2. श्रीमती सुर्धमनी पंडा, स्वामी आर० एन० पंडा (अन्तरिती)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 12 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 50/77-78/आईएसीसी ए/आर/बी बी एस
आर—यतः, मुझे, अमरेन्द्र नाथ मिश्र,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 191-ए है, तथा जो युनिट III,
भुवनेश्वर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुवनेश्वर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
13-12-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान 191-ए प्लॉट, युनिट-III, भुवनेश्वर
में स्थित है। वह जमीन भुवनेश्वर सब-रजिस्ट्रार आफिस में
13-12-1976 तारीख में रजिस्टर हुआ; जिसका डकुमेंट
नं० 8812 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख : 12-9-77
मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 1st September 1977

No. F. 34/77-SCA(1).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to place the services of S/Shri A. K. Chakraborty, Offg. Court Master and H. S. Kapur, Offg. Private Secretary to Hon'ble Judge at the disposal of the Commission of Inquiry into the Maruti Affairs, New Delhi with effect from the forenoon of 1 September 1977 until further orders, on usual terms and conditions of deputation.

R. SUBBA RAO
Deputy Registrar (Admn.)
Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 19th August 1977

No. A. 12019/4/77-Admn. II.—In continuation of the Union Public Service Commission's notification of even number dated 31-3-1977, Smt. Sudha Bhargava, a permanent Research Assistant (Hindi) of the Union Public Service Commission has been allowed to continue to officiate on an *ad-hoc* basis as Junior Research Officer (Hindi) in the Commission's office for a further period of three months w.e.f. 1-9-1977, or until regular arrangements are made, or further orders, whichever is the earliest.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary
for Secretary
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 28th July 1977

No. P/1812-Admn. I.—On the expiry of his tenure as Under Secretary, Union Public Service Commission, the services of Shri Jagdish Chandra, an officer of the Indian Postal Service, have been replaced at the disposal of the P&T Directorate with effect from the after-noon of 18-7-1977.

The 5th August 1977

No. A. 19014/1/77-Admn. I.—Shri R. S. Aler, an officer of the Indian Audit & Accounts Service assumed charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 21-7-1977 until further orders.

The 10th August 1977

No. A. 32013/3/76-Admn. I.—In continuation of this office notification of even number dated 31-5-1977, the President is pleased to appoint Shri Gyan Prakash, an officer of the Indian Economic Service as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission for a further period of 3 months on *ad-hoc* basis with effect from 1-7-1977 or until further orders, whichever is earlier.

The 16th August 1977

No. P/1811-Admn. I.—The services of Shri G. V. Naik, an officer of the Indian Customs and Central Excise Service on deputation as Under Secretary, Union Public Service Commission, who had been granted leave upto 8-7-1977, are replaced at the disposal of the Ministry of Finance (Department of Revenue) with effect from 8-7-1977 (AN)

No. P/1818-Admn. I.—Dr. V. Subramanyan, formerly Principal Scientific Officer in the Department of Science and Technology, who has been appointed as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission upto 31-8-1977, *vide* this office notification of even number dated 9-8-1976, is allowed to continue as Deputy Secretary for a further period of one year with effect from 1-9-1977, or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32013/1/77-Admn. I.—In continuation of this office notification of even number dated 7-6-1977, the President is pleased to appoint Shri Pritam Lal, a permanent officer of the Section Officer's Grade of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in Grade I of the service for a period of 3 months with effect from 11-7-1977 or until further orders, whichever is earlier.

8—256QI/77

The 22nd August 1977

No. P/271-Admn. I.—Shri S. P. Chakravarty, a permanent Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, who was earlier appointed as Officer on Special Duty (Confidential) in the office of the Union Public Service Commission upto 31-7-1977 *vide* this office notification of even number dated 29-4-1977 has been appointed to the post of Officer on Special Duty (Confidential) for a further period of 2 months with effect from 1-8-1977 or until further orders, whichever is earlier, on usual deputation terms.

No. A. 19014/4/77-Admn. I.—Shri S. C. Sharma, an officer of the Indian Statistical Service assumed charge of the office of Deputy Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the forenoon of 10-8-1977 until further orders.

The 29th August 1977

No. A. 12025(ii)/1/76-Admn. III.—In pursuance of the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) O.M. No. 5/49/76-CS. (I) dated 27th April, 1977 and in partial modification of this office notification No. A. 32014/1/77-Admn. III dated 20th July, 1977, the President is pleased to appoint Shri R. L. Madan, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission and an officiating Section Officer in the same cadre, to officiate in the Section Officers' Grade with effect from the forenoon of 24th August, 1977 until further orders.

No. A. 12025(ii)/1/76-Admn. III.—In pursuance of the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) O.M. No. F. 5/18/76-CS(I) dated 15th December, 1976 and in continuation of this office notification No. A. 32014/1/77-Admn. III dated 27th July, 1977, the President is pleased to appoint Shri G. K. Samanta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service in the same cadre with effect from the forenoon of 1st September, 1977 until further orders.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 24th August 1977

No. 2/14/76-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri D. K. Dua, an Assistant Engineer (Elect.) of the Central Public Works Department, as Assistant Technical Examiner (Flect.) in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 1st August, 1977, until further orders.

SHRI NIVAS
Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPTT. OF PERSONNEL & ADMN. REFORMS

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 31st August 1977

No. F. A-19020/3/77-Ad. V.—President is pleased to appoint Shri C. J. Ramakrishnan (IPS-1959) of Tamil Nadu Cadre as Dy. Inspector General of Police in the C.B.I. (S.P.E.) with effect from the forenoon of 20-8-1977 and until further orders.

P. S. NIGAM
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 3rd September 1977

No. O. II-942/73-Estt.—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. Debranjani Mishra relinquished charge of the post of JMO, 46th Bn., CRPF on the afternoon of 4th June 1977.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Assistant Director (Adm.)

DIRECTORATE OF COORDINATION

(POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 3rd September 1977

No. A. 38/15/75-Wireless.—Shri Kartar Chand Agnihotri is appointed as Extra Asstt. Director in the Directorate of Coordination (Police Wireless) in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the forenoon of the 8th August 1977 until further orders.

C. P. JOSHI
Director
Police Telecommunications

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-24, the 30th August 1977

No. E-38013(3)/17/76-Pers.—On transfer from Nagal Shri K. S. Ahluwalia relinquished the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit FCI Naya Nangal with effect from the afternoon of 18th July 1977 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit HEC Ltd. Ranchi with effect from the forenoon of 29th July 1977.

L. S. BISHT
Inspector General, CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 3rd September 1977

No. 12/5/74-RG(Ad. I).—In continuation of this office notification No. 12/5/74-RG(Ad. I) dated 30 July, 1976, the

R.B. CHARI
Registrar General, India and
ex-officer Joint Secretary

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 30th August 1977

No. 805/C.A.1/32-77.—Deputy Comptroller & Auditor General has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 3 with effect from the dates mentioned in column 4 below until further orders:—

Name of the Section Officers (C)	Office where working before promotion	Office where posted on promotion as A.O. (Commercial)	Date of posting as officiating A. O.(C)
1	2	3	4
1. Shri S.N. Bose	Member Audit Board & Ex-officio D.C.A. Calcutta.	Member Audit Board & Ex-officio D.C.A., Calcutta.	23-6-77 F.N.
2. Shri S.P. Ajad	Accountant General-I, II, Madhya Pradesh, Gwalior.	Accountant General, II, Bihar, Patna.	18-7-77 F.N.
3. Shri M.K. Dutta	Member Audit Board & Ex-officio D.C.A., Calcutta.	Member Audit Board & Ex-officio D.C.A., (Coal), Calcutta.	25-6-77 A.N.
4. Shri T. Karunakaran	Member Audit Board & Ex-officio D.C.A., Madras.	Member Audit Board Ex-officio D.C.A., Madras.	27-6-77 F.N.
5. Shri B.C. Vipra	Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad.	Accountant General, Orissa, Bhubaneswar.	7-7-77 F.N.
6. Shri P. Sriramamurthy	Do.	Do.	15-7-77 F.N.
7. Shri R.K. Sharma	I.A. & A.S. Staff College, Simla.	Accountant General, Himachal Pradesh & Chandigarh, Simla.	28-6-77 F.N.

President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Smt. Krishna Chaudhury as Linguist in the office of the Assistant Registrar General (Languages), at Calcutta, for a further period of six months with effect from 11 July, 1977 or till the post is filled on a regular basis, whichever period is shorter.

The 5th September 1977

No. 11/5/77-Ad. I.—The President is pleased to extend the *ad hoc* appointments of the undermentioned officers in the posts of Assistant Director of Census Operations (Technical), in the office of the Director of Census Operations mentioned against each of them, with effect from the forenoon of 1 August 1977 up to 30 September 1977 or till the posts are filled up on a regular basis, whichever period is shorter :

S. No.	Name of officer	Office of the Director of Census Operations in	Headquarters	Reference to previous extension
1	2	3	4	5
1.	Shri S. Jayashankar	Kerala	Trivandrum	11/4/76-Ad.I 23-4-77
2.	Shri A.K. Biswas	Laksha-dweep	Kavaratti	Do.
3.	Shri Anser Ahmed	Tamil Nadu	Madras	Do.
4.	Shri O.P. Sharma	Uttar Pradesh	Lucknow	Do.
5.	Shri M.C. Padalia	Uttar Pradesh	Lucknow	Do.
6.	Shri V.P. Rustagi	Meghalaya	Shillong	11-13-75-Ad.I dated 21-5-77
7.	Shri G.S. Pabla	Punjab	Chandigarh	11-4-76/-Ad. I dated 21-5-77
8.	Shri R.C. Kathuria	RG's Office	New Delhi	11-4-76-Ad.I dated 23-4-77

1	2	3	4
8. Shri B.S. Chalke	Member Audit Board & Ex-officio D.C.A. Bombay.	Member Audit Board & Ex-officio D.C.A. Bombay.	22-6-77 F.N.
9. Shri Y.L. Tahenguria	Member Audit Board & Ex-officio D.C.A., Ranchi.	Member Audit Board & Ex-officio D.C.A., Ranchi.	30-6-77 F.N.
10. Shri K. Vijay Raghavan Nair	Accountant General, Kerala, Trivandrum.	Member Audit Board & Ex-officio D.C.A. Bangalore.	6-7-77 F.N.
11. Shri V. Subramanian	Member Audit Board & Ex-officio D.C.A., Madras.	Member Audit Board & Ex-officio D.C.A., Madras.	22-6-77 F.N.
12. Shri D. Ganesh Bhakta	Accountant General-II, Tamil Nadu, Madras.	Accountant General-II, Tamil Nadu, Madras.	24-6-77 F.N.
13. Shri S.P. Srivastava	Accountant General, Punjab, Chandigarh.	Accountant General, Punjab, Chandigarh.	28-6-77 F.N.
14. Shri R.P. Deshpande	Member Audit Board & Ex-officio D.C.A., Dehradun.	Member Audit Board & Ex-officio D.C.A., Dehradun (Bombay off-shore Project).	18-7-77 F.N.
15. Shri S.B. Dhavle	Member Audit Board & Ex-officio D.C.A., Bombay (C.A. C.A., Bhopal).	Member Audit Board & Ex-officio D.C.A., Bombay (C.A. C.A., Bhopal).	22-6-77 F.N.

S. D. BHATTACHARYA
JOINT DIRECTOR (COMMERCIAL)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
MAHARASHTRA-I

Bombay-400020, the 9th June 1977

No. Admn. I/AD/5(118-Vol-II)/9.—Shri M. M. Vaidya, an officiating Accounts Officer of this Office is deemed to have retired from service with effect from 29th March 1977 under Rule 37 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972 read with Ministry of Finance O.M. No. 44(i)-EV/71, dated 13th April 1973 consequent on his permanent absorption in the International Institute for Population Studies Bombay.

2. The permanent absorption of Shri M. A. Vaidya, Accounts Officer in the International Institute for Population Studies has been sanctioned with effect from 29th March 1977.

The 20th August 1977

No. Admn. I/Genl/VGP/13.—Shri V. G. Patankar, Substantive Accounts Officer of this Office is deemed to have resigned from service with effect from 1st October 1976 (F.N.) consequent on his permanent absorption in Mineral Exploration Corporation Ltd., Nagpur.

2. The Ministry of Finance has sanctioned the permanent absorption of Shri V. G. Patankar in Mineral Exploration Corporation Ltd., Nagpur with effect from 1st October 1976 (F.N.), on the terms & conditions communicated with Comptroller & Auditor General's Office Letter No. 1825-GE-II/62-77 dated 30th July 1977.

Smt. R. KRISHNAN KUTTY
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA
PRADESH

Hyderabad, the 27th August 1977

No. EB.1/8-132/77-78/231.—Sri S. Radha Krishna Murthy-I, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra

Pradesh-I, Hyderabad, has retired from service w.e.f. 31-7-1977 A.N.

Sd./- ILLEGIBLE
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, J&K,
SRINAGAR

Srinagar, the 3rd September 1977

No. Admn. I/60(47)/77-78/1428.—The A. G. J&K. has appointed Shri Trilok Nath Raina-I (Date of Birth 2-1-1934) a permanent Section Officer of the office to officiate as Accounts Officer with effect from the forenoon of 31st August, 1977 until further orders.

R. CHANDRASEKARAN
Sr. Deputy Accountant General (A&E)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR
SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 5th September 1977

No. Au/Admn./II/5/II/787.—Shri Y. R. Kerur, Officiating Audit Officer of South Central Railway retired from Government Service, on superannuation, with effect from 31st August 1977 (A.N.).

No. Au/Admn./II/5/Vol.II/788.—The Chief Auditor, South Central Railway, Secunderabad has been pleased to promote Shri N. V. Jagannadha Das, a substantive Section Officer of the office to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 29th August, 1977 forenoon until further orders.

D. N. PRASAD
Deputy Chief Auditor

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 2nd September 1977

No. 40011(1)/76/AN-A—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the undermentioned Permanent Section Officers (Accounts) as Accounts Officers in a Officiating Capacity with effect from the dates noted against each until further orders.

Serial Number	Name	Organisation where serving	Date
1	2	3	4
1.	Shri Randhir Singh	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.	9-8-76 (F.N.)
2.	Shri N.C. Phadke	Controller of Defence Accounts, (Factories) Calcutta.	23-12-75 (F.N.)
3.	Shri P. D. Bakshi	Controller of Defence Accounts, (Air Force), Dehradun	11-7-77 (F.N.)
4.	Shri P.L. Bhatia	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.	28-2-77 (F.N.)
5.	Shri V.S. Undale	Controller of Defence Accounts, (Factories) Calcutta.	11-4-77 (F.N.)
6.	Shri S. Janakiraman	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.	10-1-77 (F.N.)
7.	Shri Nityanand Mukherjee	Controller of Defence Accounts, (Factories), Calcutta.	22-3-77 (F.N.)
8.	Shri Mangho Ram Nagpal	Controller of Defence Accounts, (other Ranks) North, Meerut.	14-3-77 (F.N.)
9.	Shri M. Cecil Yesudian	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.	12-4-77 (F.N.)
10.	Shri Roshan Singh	Controller of Defence Accounts, (Pensions) Allahabad.	9-6-77 (F.N.)
11.	Shri M. Chidambaram Rao	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.	13-4-77 (F.N.)
12.	Shri Om Prakash Chugh	Controller of Defence Accounts, (Air Force), Dehradun.	10-6-77 (F.N.)
13.	Shri P.R. Sarangapani	Controller of Defence Accounts, (Other Ranks) South, Madras.	11-4-77 (F.N.)
14.	Shri Khem Raj Bakshi	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.	1-4-77 (F.N.)
15.	Shri C.R. Srinivasan	Controller of Defence Accounts, (Officers), Poona.	1-4-77 (F.N.)
16.	Shri S.R. Bhargava	Controller of Defence Accounts, (Air Force), Dehradun.	1-4-77 (F.N.)
17.	Shri A.C. Bilaraman	Controller of Defence Accounts, (Factories), Calcutta.	1-4-77 (F.N.)
18.	Shri Y. N. Chopra	Controller of Defence Accounts, (Northern Command, Jammu.	27-5-77 (F.N.)
19.	Shri T. Abraham	Controller of Defence Accounts, (other Ranks) South, Madras.	2-5-77 (F.N.)
20.	Shri T.S. Pathania	Controller of Defence Accounts, (Air Force), Dehradun.	2-5-77 (F.N.)
21.	Shri K. Balachandra Menon	Controller of Defence Accounts, (Other Ranks), Madras.	11-5-77 (F.N.)
22.	Shri Ajit Kumar Sarkar	Controller of Defence Accounts, (Factories) Calcutta.	2-5-77 (F.N.)
23.	Shri A. Vinay Chatterjee	Controller of Defence Accounts, (FYs) Calcutta.	2-5-77 (F.N.)
24.	Shri M. I. Mukherjee	Controller of Defence Accounts, Patna.	19-7-77 (F.N.)
25.	Shri V. Pattabhiraman	Controller of Defence Accounts, (Other Ranks,) South Madras.	16-5-77 (F.N.)
26.	Shri B.M. Gowlikar	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.	2-5-77 (F.N.)
27.	Shri S.K. Beri	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.	1-7-77 (F.N.)
28.	Shri J.B. Saxena	Controller of Defence Accounts, (other Ranks) North, Meerut.	10-5-77 (F.N.)
29.	Shri D.R. Midha	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.	1-7-77 (F.N.)
30.	Shri M.R. Rajwade	Controller of Defence Accounts, (Factories), Calcutta.	16-5-77 (F.N.)
31.	Shri P.V. Venkatarajan	Controller of Defence Accounts, (Air Force), Dehradun.	2-5-77 (F.N.)
32.	Shri N.C. Bhattacharjee	Controller of Defence Accounts, Patna.	24-5-77 (F.N.)
33.	Shri H. Krishnamurthy	Controller of Defence Accounts, (other Ranks) South, Madras.	14-6-77 (F.N.)
34.	Shri R.N. Dutta	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.	1-6-77 (F.N.)

1	2	3	4
35.	Shri B.K. Chakravorty	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	1-6-77 (F.N.)
36.	Shri G. P. Muni Swamy	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	1-6-77 (F.N.)
37.	Shri V.B. Kulkarni	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.	1-6-77 (F.N.)
38.	Shri M.R. Kumthekar	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.	1-6-77 (F.N.)
39.	Shri G.K. Mhinderkar	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.	1-6-77 (F.N.)
40.	Shri B.M. Sarkar	Controller of Defence Accounts, Patna.	1-6-77 (F.N.)
41.	Shri S.R. Verma	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.	1-6-77 (F.N.)
42.	Shri R. Venkataraman	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	1-7-77 (F.N.)
43.	Shri N.I. Sengupta	Controller of Defence Accounts, Patna.	14-7-77 (F.N.)
44.	Shri J.N. Bedi	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.	1-7-77 (F.N.)
45.	Shri K. Uttam Singh	Controller of Defence Accounts (Other Ranks), North, Meerut.	4-7-77 (F.N.)
46.	Shri S.N. Ghosh	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.	1-7-77 (F.N.)
47.	Shri A.R. Mehra	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.	1-7-77 (F.N.)
48.	Shri B.S. Arjunwadkar	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.	1-7-77 (F.N.)
49.	Shri R.N. Patankar	Controller of Defence Accounts (Navy), Bombay.	1-7-77 (F.N.)
50.	Shri Shanti Prakash Jain	Controller of Defence Accounts, Northern Command, Jammu.	2-7-77 (F.N.)
51.	Shri Ram Saran	Controller of Defence Accounts (Other Ranks), North, Meerut.	1-7-77 (F.N.)
52.	Shri R.L. Sinnarkar	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.	1-7-77 (F.N.)
53.	Shri N. Krishnamurthy	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.	6-7-77 (F.N.)
54.	Shri V.G. Ranade	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.	1-7-77 (F.N.)
55.	Shri Ram Kishore	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.	1-7-77 (F.N.)
56.	Shri V.E. Zachariah	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	1-7-77 (F.N.)
57.	Shri M.A. Sathu	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.	1-8-77 (F.N.)
58.	Shri K.V. Joseph	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.	1-7-77 (F.N.)
59.	Shri V. Seshadri	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.	21-3-77 (F.N.)
60.	Shri S.B. Karmarkar	Controller of Defence Accounts, Patna.	31-3-77 (F.N.)
61.	Shri R. Ranganjan	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun.	25-2-77 (F.N.)
62.	Shri Om Prakash Sharma	Controller General of Defence Accounts, New Delhi.	1-4-77 (F.N.)
63.	Shri M.K. S. Ramnath	Controller of Defence Accounts (Other Ranks), North, Meerut.	30-5-77 (F.N.)
64.	Shri A. Ramchandran	Controller of Defence Accounts, Patna.	30-4-77 (F.N.)
65.	Shri R. Jaipaman	Controller of Defence Accounts (Navy), Bombay.	31-5-77 (F.N.)
66.	Shri S.K. Sarkar	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	2-5-77 (F.N.)
67.	Shri Har Bhawan Singh Chandra	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.	2-5-77 (F.N.)
68.	Shri N. K. Srinivasan	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.	2-5-77 (F.N.)
69.	Shri K. Chandra Sekhara Pillai	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.	19-5-77 (F.N.)
70.	Shri N.K. Mulhotra	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.	9-5-77 (F.N.)
71.	Shri G.C. Hsija	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.	29-6-77 (F.N.)
72.	Shri S. Nagasubramaniam	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.	30-6-77 (F.N.)
73.	Shri C.N. Subramanian	Controller of Defence Account (Other Rank), Madras.	11-7-77 (F.N.)
74.	Shri M.P. Tarde	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.	1-7-77 (F.N.)
75.	Shri K. Ganesan	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.	2-7-77 (F.N.)
76.	Shri O. D. Sharma	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.	14-3-77 (F.N.)

R. VENKATARATNAM,
Dy. Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF DEFENCE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
DG OF HQrs. CIVIL SERVICE

Calcutta-700 069, the 29th August 1977

No. 49/77/G.—The DGOF is pleased to promote the following permanent Assistants to the grade of Assistant Staff Officer (Class II Gazetted) in Offg. capacity on *ad-hoc* basis for the periods shown against each :

1. Shri B. K. Chatterjee—From 1-9-76 to 31-1-77
2. Shri Pranesh Chandra Chakraborty—From 1-9-76 to 18-12-76, From 10-1-77 to 8-4-77.
3. Shri Satya Prasad Das Gupta—From 1-4-77 to 1-5-77.

No. 50/77/G.—The DGOF is pleased to promote the following Permanent Assistants, to the grade of Assistant Staff Officer (Class II Gazetted) in Offg. capacity on *ad-hoc* basis w.e.f. the dates shown against each until further orders :—

1. Shri B. K. Chatterjee—1-2-77.
2. Shri Pranesh Chandra Chakraborty—2-5-77.
3. Shri Satya Prasad Das Gupta—2-5-77.

No. 51/77/G.—The DGOF is pleased to promote the following Permanent Stenographer, Gr.II/Temporary Assistant to the grade of Assistant Staff Officer (Class II Gazetted) in Offg. capacity on *ad-hoc* basis for the periods shown against each :—

1. Shri Sudhansu Kr. Banerjee—From 8-12-76 to 21-1-77.
2. Shri Biswanath De—From 20-12-76 to 10-2-77.

D. P. CHAKRAVARTI
ADG/ADMIN.II

for Director General, Ordnance Factories

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta-16, the 24th August 1977

No. 45/G/77.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. Addl. DGOF with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri R. N. Dutta, Offg. Dy. DGOF/Level-I
9th May, 1977
- (2) Shri O. P. Bahl, Offg. General Manager (Selection Grade)/Level-I
9th May, 1977

M. P. R. PHILLAI
Assistant Director General, Ordnance Fys.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 31st August 1977

IMPORTS & EXPORTS TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/502/56-Admn(G)6356.—The President is pleased to appoint Shri I. V. Chunkath, an officer permanent in Grade I of the CSS in the Selection Grade of that service from 1-7-77 to 31-8-77.

2. The President is also pleased to appoint Shri I. V. Chunkath as Joint Chief Controller of Imports and Exports in this office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for the aforesaid period.

No. 6/806/67-Admn(G)6369.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Basu permanent in the Section Officer's Grade of the CSS and Controller of Imports and Exports in this office to officiate in Grade I of that service for a further period from 1-8-77 to 31-10-77.

2. The President is also pleased to appoint Shri R. P. Basu, as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for the aforesaid period.

K. V. SESHADRI
Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 30th August 1977

No. 19018/273/77-Admn(G).—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Achyutananda Ray as Deputy Director (Chemical) in the Small Industry Development Organisation with effect from the forenoon of 19th July, 1977 until further orders.

2. Consequent upon his appointment as Deputy Director (Chemical) Shri Achyutananda Ray assumed charge of the post in the Branch Small Industries Service Institute, Agartala with effect from the forenoon of 19th July, 1977.

V. VENKATRAYULU
Deputy Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 30th August 1977

No. E-11(7).—In this Department's Notification No. E-11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 2-NITRATE MIXTURE, in the entry "ALFADYNE" for the figures and words 30th September, 1977, the figures and words '30th September, 1978' shall be substituted.

I. N. MURTY
Chief Controller of ExplosivesDIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
ADMN. SECTION A-6

New Delhi, the 30th August 1977

No. A/17011(118)/77-A6.—The President has been pleased to appoint Shri N. P. Rasane, a candidate nominated by U.P.S.C. to officiate in the Metallurgical Branch of Grade III of the Indian Inspection Service (Class I) w.e.f. 4-7-77, until further orders.

Shri Rasane assumed charge of the post of Asstt. Director of Inspection (Met.) in the office of the Dy. Director of Inspection, Bholai under the Director of Inspection (Met.) Titnagar from the forenoon of 4-7-77.

SURYA PRAKASHI
Dy. Director (Administration)
For Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPTT. OF MINES

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 30th August 1977

No. 4192/B/13/74/19C.—Shri J. Somaiah, Shift Boss, Geological Survey of India, is confirmed in the grade of Shift Boss in the Geological Survey of India with effect from 16-8-1975.

V. K. S. VARADAN
Director General, G.S.I.

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 1st August 1977

No. A19012(95)/77-Estt.A.—Shri V. S. Murthy, Permanent Senior Technical Assistant (Geo.) is promoted to the post of Assistant Mining Geologist in Group 'B' post in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 9th August, 1977, until further orders.

The 5th September 1977

No. A19011(215)/77-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri G. T. Kamble to the post of Junior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 11th August, 77, until further orders.

No. A19011(216)/77-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri R. Balaji to the post of Junior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 17th August, 1977 until further orders.

L. C. RANDHIA
Head of Office

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

Calcutta-700 016, the 22nd July 1977

No. 8-124/72/Estt.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the Director, Anthropological Survey of India, is pleased to promote Shri R. Ranganathan in the post of Junior Administrative Officer with effect from the forenoon of 29th June, 1977, until further orders.

The 26th July 1977

No. 8-41/64/Estt.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, the Director Anthropological Survey of India, is pleased to promote Shri M. N. Kalode in the post of Junior Administrative Officer, with effect from the forenoon of 11th July, 1977, until further orders.

The 10th August 1977

No. 4-132/76/Estt.—The Director, Ratan Anthropological Survey of India, hereby appoints Shri Ratan Singh Rayya to a post of Human Ecologist (Group 'B'—Gazetted) at Andaman & Nicobar Region of this Survey at Port Blair on a temporary basis with effect from the forenoon of 21st July, 1977, until further orders.

C. T. THOMAS
Senior Administrative Officer

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 3rd September 1977

No. 5(13)/71-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri R. K. Ravindran formerly Transmission Executive, All India Radio, Gulbarga as Programme Executive, All India Radio, Trivandrum in a temporary capacity with effect from the 28th July, 1977 and until further orders.

No. 4(34)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Kum. Achla Sharma as Programme Executive, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from 5th August, 1977 and until further orders.

No. 4(46)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Didar Singh as Programme Executive, Radio Kashmir, Jammu in a temporary capacity with effect from the afternoon of 29th June 1977 and until further orders.

No. 4(88)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Sangamesh S. Hiremath as Programme Executive, All India Radio, Bhadravati in a temporary capacity with effect from 18th August, 1977 and until further orders.

The 7th September 1977

No. 6(13)/61-SI-Vol II.—Consequent on his reinstatement, Shri C. D. Verma assumed charge as a Programme Executive, All India Radio, Lucknow, with effect from 22-8-1977.

No. 5(35)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Babubhai B. Parmar formerly Transmission Executive, All India Radio, Rajkot as Programme Executive, All India Radio, Ahmedabad in a temporary capacity with effect from 17-8-1977 and until further orders.

No. 4(21)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri M. S. Keshava Prabhu as Programme executive, All India Radio, Dharwar in a temporary capacity with effect from 24th August, 1977 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ,
Dy. Director of Administration,
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 1st September 1977

No. 1-22/75-CGHS III/1815.—In pursuance of Sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby give notice to Shri Mehar Singh, Sweeper, that his services shall stand terminated w.e.f. the date of expiry of a period of one month from the date on which this Notification is published in the Gazette of India.

L. D. JOSHI,
Dy. Director (CGHS), Delhi.

New Delhi, the 3rd September 1977

No. A.39013/4/77-CGHS.II(I).—Consequent on acceptance of his resignation, Dr. R. N. Sharma, Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme, Allahabad relinquished charge of the post with effect from the forenoon of the 1st August, 1977.

N. S. BHATIA,
Dy. Director Admn. (CGHS).

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 12th August 1977

No. PPED/3(282)/77-Adm.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri R. G. Masurkar, a permanent Assistant Accountant and officiating Assistant Accounts Officer in the Bhabha Atomic Research Centre, as Accounts Officer—II in Power Projects Engineering Division in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of August 8, 1977 until further orders.

B. V. THATTE,
Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 31st August 1977

No. F(1)04243.—On attaining the age of superannuation, Shri P. P. Kuriyan, Officiating Assistant Meteorologist, Meteorological Centre, Trivandrum under office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from the afternoon of 31st July, 1977.

M. R. N. MANIAN,
Meteorologist
for Director General of Observatories

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Kanpur, the 6th August 1977

No. 106/77.—Shri Jaswant Singh, Superintendent, Central Excise, Group 'B' formerly posted at Central Excise Division, Meerut having been compulsorily retired under F.R. 56(j) with effect from 22-12-75 (Afternoon), by giving him three months pay and allowances in lieu of notice *vide* order issued under endorsement C. No. 11(3) Conf1 61/75/IIAC/Pt 3025 dated 20-12-75, handed over the charge of his post in the Afternoon of 22-12-75 to Shri C. M. Bhatnagar, Superintendent Central Excise, Meerut and retired from Government service with effect from 22-12-75 (Afternoon). He will remain on leave beyond the date of compulsory retirement upto 13-9-77 and will get leave salary reduced by the amount of pension and pension equivalent of other retirement benefits as provided in Rule 40(7)(a) of Central Civil

Service (leave) Rules, 1972 excepting for the period of leave which runs concurrently with the period for which pay and allowances have been paid in lieu of notice. For such period no leave salary is admissible.

K. S. DILIPSIKHA,
Collector.

Nagpur, the 3rd September 1977

No. 34.—Shri R. G. Naidu, lately posted as Superintendent, Central Excise MOR. III, Sagar in erstwhile Madhya Pradesh and Vidarbha, Central Excise Collectorate, Nagpur, having attained the age of Superannuation has retired from Government Service in the afternoon of 31st May, 1977.

M. S. BINDRA,
Collector

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT, CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 31st August 1977

No. 10/77.—Shri A. R. Sharma, Office Superintendent in the Directorate of Inspection & Audit (Customs and Central Excise) New Delhi, is appointed to officiate as Assistant Chief Accounts Officer in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 with effect from 24-8-77 (Forenoon) *vice* Shri S. N. Verma proceeded on leave.

S. VENKATARAMAN,
Director of Inspection

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 31st August 1977

No. A.32014/2/77-FS.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri L. C. Sharma, Store Assistant as Store Officer (Group 'B' post) w.e.f. 1-8-1977 and until further orders in the office of the Controller of Central Radio Stores Depot, New Delhi.

V. V. JOHRI,
Assistant Director of Administration,
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 27th August 1977

No. A.32014/4/76-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri J. R. Tambe, Technical Assistant in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department to the grade of Assistant Technical Officer on regular basis with effect from the 16th July, 1977 (FN) and until further orders and to post him at Aeronautical Communication Station, Nagpur.

The 29th August 1977

No. A.32013/8/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Kalra, Assistant Director of Communication (HO) Civil Aviation Department as Controller on an *ad-hoc* basis with effect from the 1-8-77 (FN) and upto the 30-4-78 or till regular appointments are made to the grade whichever is earlier and to post him at Central Radio Stores Depot, New Delhi.

P. C. JAIN,
Assistant Director (Administration)

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Patna, the 1st September 1977

C. No. II(7)1-FI/77/10483.—In pursuance of this Office Estt. order No. 100/77 dated 21-4-77 issued under endorsement C. No. 11(3)51-FI/75/26403-67 dt. 21-4-77, appointing Sri S. N. Majumdar, office Supt. of Central Excise to officiate as Administrative Officer, Central Excise and Customs Group 'B' in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- plus usual allowances as admissible under Rules Sri S. N. Majumdar resumed charge as Administrative Officers (Hqrs.) Central Excise and Customs, Hqrs. Office Patna in the forenoon of 22-4-77.

H. N. SAHAI,
Collector

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 31st August 1977

No. A-19012/605/76-Adm.V.—The Chairman C. W. Commission hereby appoints Shri S. C. Sehgal, Supervisor as Assistant Engineer in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 on a purely temporary and *ad-hoc* basis w.e.f. the afternoon of 27-9-76.

Shri S. C. Sehgal assumed charge of the post of Assistant Engineer, Chenab Sub Division No. III Kulu under Chenab Investigation Division of Chenab Investigation circle Jammu w.e.f. the afternoon of 27-9-76.

J. K. SAHA,
Under Secy.
for Chairman C.W.C.

New Delhi, the 31st August 1977

No. A-19012/484/74-Adm. V.—Consequent on the acceptance of his resignation Shri A. K. Jerath relinquished charge of the post of Extra Assistant Director with effect from the afternoon of the 20th July, 1977.

J. K. SAHA
Under Secy.
Central Water Commission

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 1st September 1977

No. 27-C/R(1)69-RC II.—The following officers of the Central Public Works Department on attaining the age of superannuation (58 years) have retired from government service with effect from 31st August 1977 (A.N.).

Name (S/Shri)	Present Designation
1. K. Rama Varman	Chief Engineer (New Delhi Zone), Central P.W.D., New Delhi.
2. D. K. Bhomiak	Valuation Officer Valuation Unit No. IV, Income Tax Department, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

S. S. P. RAU
Dy. Director of Admn.
for Engineer-in-Chief

New Delhi, the 2nd September 1977

No. 33/12/73-EC.IX.—The President is pleased to appoint Shri V. R. Kshirsagar, a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Architect (G.C.S. Group A) in the C.P.W.D. on a pay of Rs. 1250/- p.m. in the scale of Rs. 1100—50—1600 (plus usual allowances) with effect from 1-8-77 FN on the usual terms and conditions.

2. Shri Kshirsagar is placed on probation for period of two years with effect from 1-8-77 FN.

3. Shri Kshirsagar is posted in Senior Architect (H &TP) Unit II, C.O., C.P.W.D., New Delhi.

D. P. OHRI
Dy. Director of Administration

CHITTARANJAN LOCOMOTIVE WORKS, CHITTARANJAN

Burdwan, the 29th August 1977

No. GMA/GS/8(Civil).—Sri R. C. Singh, Officiating Asstt. Engineer, Chittaranjan Locomotive Works, Chittaranjan is confirmed as Asstt. Engineer in Cl. II service in cadre of Civil Engineering Department of the Administration w.e.f. 28-11-73 (FN).

K. S. RAMASWAMY
General Manager

MINISTRY OF WORKS, HOUSING, SUPPLY & REHABILITATION

DEPARTMENT OF SUPPLY

NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta-27, the 2nd September 1977

No. G-65/B(CON) —The undersigned hereby appoints Shri-mati Santwana Chaudhuri as Scientific Officer (Non-Destructive) in the National Test House, Calcutta w.e.f. 15-7-77 (A/N), until further orders.

No. G-65/B(CON).—In continuation of this office Notification of even number dated 19.10.73, the undersigned hereby appoints Shri S. M. Lahiri to officiate as Scientific Officer (Physical) in the National Test House, Calcutta on a regular basis with effect from the forenoon of 20-6-77, until further orders.

No. G-318/A.—The undersigned hereby appoints Shri P. K. Chakraborty as Assistant Director (Admn.) Grade II in the National Test House, Bombay Branch, Bombay on an *ad hoc* basis w.e.f. 19.7.77 (F/N), until further orders.

B. C. BISWAS,
It. Director
National Test House, Calcutta.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Cuddegali Santona Mines Private Limited*

Ranaji, the 29th August 1977

No. 305/G.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Cuddegali Santona Mines Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

D. R. GHAROTE
Registrar of Companies
Goa, Daman & Diu
Panaji

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
The Vashisth Industries (Private) Limited*

Kanpur, the 23rd August 1977

No. 7695-A/2923-1/C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Vashisth Industries (Private) Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Kashyap Finance Chit Fund Private Limited*

Kanpur, the 23rd August 1977

No. 7690/2940-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kashyap Finance Chit Fund Private Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Sital Financiers & Chit Fund Private Limited*

Kanpur, the 24th August 1977

No. 7732/3035 L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Sital Financiers & Chit Fund Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Dhillon Refrigeration (India) Private Limited*

Kanpur, the 24th August 1977

No. 7733/3138 L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Dhillon Refrigeration (India) Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.
9—256G1/77

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Textube Private Limited*

Kanpur, the 29th August 1977

No. 7835/3799 L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Textube Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN
Registrar of Companies, U.P.,
Kanpur

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Shyamala Transports Private Limited*

Madras-6, the 29th August 1977

No. DN/4701/560(3)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Shyamala Transports Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. The Tiles and Floorings Private Limited*

Madras-600006, the 1st September 1977

No. 2936/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. The Tiles and Floorings Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Maileri Bus Transport Private Limited*

Madras-600006, the 2nd September 1977

No. 5012/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Maileri Bus Transport Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Indo German Engineering Company Private Limited*

Madras-600006, the 3rd September 1977

No. 3528/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Indo German Engineering Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. The Citadel Film Corporation Private Limited*

Madras-600006, the 3rd September 1977

No. 3739/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. The Citadel Film Corporation Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

C. ACHUTHAN
Asst. Registrar of Companies
Tamilnadu

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. The Mount Engineering Industries Private Limited*

Madras-600006, the 29th August 1977

No. 5559/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. The Mount Engineering Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
The Mutual Trust Fund Limited*

Madras-6, the 1st September 1977

No. DN/1702/560(3)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Mutual Trust Fund Limited unless cause shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
The Sincere Shipping Company Limited,*

Madras-6, the 1st September 1977

No. DN/6037/560(3)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of The Sincere Shipping Company Limited unless cause shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN
Asst. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. M.S.M. Chit Funds Private Limited*

Madras-600006, the 2nd September 1977

No. 5512/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. M.S.M. Chit Funds Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

P. BHASKER RAO
Asst. Registrar of Companies,
Tamil Nadu

**NOTICE UNDER SECTION 445(2) OF THE COMPANIES
ACT, 1956 IN THE MATTER OF M/S Bhagwan Singh and
Company PVT. LTD.**

Delhi, the 3rd August 1977

No. Co. Liqn/3163/15866.—By an order dated the 12-11-73 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s. Bhagwan Singh and Company Private Limited has been ordered to be wound up.

R. K. ARORA
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana.

Chandigarh, the 31st August 1977

Whereas Metropolitan Films Private Limited, having its registered office at Ludhiana is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that the affairs of the company have been completely wound up, and that Metropolitan Films (P) Limited required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of Metropolitan Films (P) Limited will unless cause is shown to the contrary, be struck off the Register and the company will be dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies,
Pb., H.P. & Chandigarh

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

New Delhi, the 19th August 1977

CORRIGENDUM

F. No. JUR-DLI/II/77-78/21871.—Against S. No. I item (b) and S. No. 2 item (a) under col. 3 of this office notification No. 19566 dated 20.7.77 the following shall be substituted w.e.f. the same date.

1(b) : All cases of Companies with their place or principal place of business or profession in the union territory of Delhi which are registered with the Registrar of Companies Delhi & Haryana upto 31.3.76.

2(a) : All cases of companies with their place or principal place of business or profession in the union territory of Delhi registered with the Registrar of Companies Delhi & Haryana other than those specified in 1(b) above.

A. C. JAIN
Commissioner of Income-tax
Delhi-II, New Delhi

New Delhi, the 30th August 1977

No. JUR-DLI/IV/77-78/2301.—In partial modification of this office Notifications F. No. JUR-DLI/IV/77-78/523 dated 4-4-1977 and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-IV, New Delhi hereby directs that the inspecting Assistant Commissioner of Income-tax mentioned in Column 1 of the schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax under the said Act in respect of such area or of such persons or classes of persons or of such income or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the Income-tax officers of the Districts/Circles mentioned in Column 2 of the said schedule:—

SCHEDULE

Range	Income-tax Districts/ Circles
Inspecting of Assistant Commissioner of Income-tax, Range-III-D, New Delhi.	Distt. III (3), III(14), III(15), III(28), III (29) and III(35), New Delhi. 3rd Addl. Survey Circle-III, New Delhi.

This notification shall take effect from 30-8-77

A. J. RANA
Commissioner of Income-tax,
Delhi-IV, New Delhi

INCOME-TAX

New Delhi, the 19th August 1977

No. JUR/DLI/V/77-78/21973.—In supersession of all previous orders on the subject and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the Income-tax officers mentioned in column (2) of the schedule hereto annexed shall perform their functions in respect of the persons of classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases specified in Column (3) of the said Schedule. Other than the cases of the persons which have been or may hereafter be assigned u/s 127 of the Income-tax Act, 1961 to any other Income-tax officer.

2. This Notification shall take effect from 19-8-77.

SCHEDULE

S. No.	Designation of the Income-tax officer	Jurisdiction
1	2	3
1.	Income-tax officer, Distt. I(1) New Delhi.	(1) All cases which have been or may hereafter be assigned to him u/s 127 of the Income-tax Act, 1961. (2) All cases where returns of income have been filed or notices u/s 139(2) or 148 have been issued upto 18-8-1977. (3) All persons being partners of the firms falling under alphabets mentioned in (2) above.
2.	Income-tax officer Distt. I(2) New Delhi	(1) All persons or classes of persons incomes or classes of income and cases or classes of cases whose names begin with the alphabets A to G (both inclusive). (2) All persons being partners of the firms falling under alphabets mentioned in (1) above.
3.	Income-tax officer Distt. I(13), New Delhi.	1. All persons or classes of persons incomes or classes of incomes and cases or classes of cases whose names begin with the Government of India 2. All persons being partners of the firms falling under alphabets mentioned in (1) above.
4.	Income-tax officer, Distt. (4) New Delhi.	1. All persons or classes of persons incomes or classes of incomes and cases or classes of cases whose names begin with the alphabets p to z (both inclusive). 2. All persons being partners of the firms falling under alphabets mentioned in (1) above.

No. JUR. DLI/V/77-78/22075.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the following Income-tax District/Circle shall stand abolished w.e.f. 19-8-77.

1. Distt. 1(2) Addl. New Delhi.

No. JUR-DLI/V/77-78/22177—In exercise of the powers conferred by sub-section(1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the Income-tax wards/circles mentioned in Column 2 shall stand merged with wards/circles mentioned in Column 3 of the schedule herein below. As a consequence the cases of the merged wards will revert back to the wards to which they have merged.

SCHEDULE

S. No.	Name of the ward merged	Name of the award where merged
1.	Doctors' Circle-I & II	Doctors' Circle
2.	IV(1) Addl.	IV(4)
3.	III(22)	III(19)
4.	III(21) & (23)	III(20)

This notification shall take effect from 19-8-77.

No. JUR/DLI/V/77-78/22279—In exercise of the powers conferred by sub-section(1) of Section 123 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders of the subject the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the Inspecting Asstt. Commissioners of Income-tax, mentioned in column 1 of the scheduled herein below shall perform all the functions of an Inspecting Asstt. Commissioners of Income-Tax under said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such income or classes of income or of such cases of cases of cases as fall within the jurisdiction of the ITOs of the Districts/Circles mentioned in col. 2 of the said Schedule:—

SCHEDULE

Range	Income-tax District/Circle
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range-V-C New Delhi.	(i) District-IV, NEW Delhi. (ii) Special Circle-III, New Delhi. (iii) Foreign Section, New Delhi.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, R-V-D, New Delhi.	(i) District-II(3), (9), (10), II(11) Add. & II(15), New Delhi. (ii) District-I(1), I(2), I(2) Addl., I(3) & I(4), New Delhi. (iii) Doctors' Circle-I & II, New Delhi.

This notification shall take effect from 19-8-77.

the 30th August 1977

No. JUR-DLI/V/77-78/23153—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 123 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the Inspecting Asstt. Commissioners of Income-tax, mentioned in column 1 of the schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax under said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such incomes or classes of income or of such cases of cases of cases as fall within the jurisdiction of the ITOs of the Districts/Circles mentioned in col. 2 of the said Scheduled:—

SCHEDULE

Range	Income-tax Distt./Circles
Insp. Assistant Commissioner of Income-tax, Range-V-B, New Delhi.	(i) Distt. III(19), III(20), III(21), III(22), III(23) & III(27), New Delhi. (ii) Distt. VII, New Delhi. (iii) Distt. IX, New Delhi. (iv) Spl. Circle-VIII (Addl.) New Delhi (v) Refund Circle, New Delhi.

This notification shall take effect from 30-8-77.

ORDER

New Delhi, the 7th September 1977

No. CIT.V/JUR/DLI/V/77-78/2481.—In supersession of order under section 127 No. 4 of 1976 dated 31-1-76 assigning cases u/s 127 to Doctors Circle-II and in exercise of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income tax, Delhi-V hereby orders that wherever the word Doctors' Circle-II occurs in aforesaid order read Doctors' Circle w.e.f. 16-8-77 as a consequence all the cases assigned u/s 127 vide order referred to above will hereafter be dealt with by ITO Doctor Circle.

K. R. RAGHAVAN
Commissioner of Income tax
Delhi-V, New Delhi

ORDER

Patna, the 28th July 1977

No. GC-2-II-3/74—In partial modification of this office order No. ACIT/GL/VIII-14/71-72 dated the 24th February, 1973 and even number dated the 6th September, 1974 it is hereby directed that the Tax Recovery Officers specified in Column 2 of the Schedule below will perform functions of Tax Recovery Officers in respect of persons assessed in the Income-tax Circles mentioned in Column 4, Headquarters of which lie within the revenue district mentioned in Column 3 of the Scheduled.

SCHEDULE

Sl. No.	Tax Recovery Officer	District	I.T.Os. Jurisdiction
1	2	3	4
1.	Tax Recovery Officer-I Patna.	(i) District Patna.	1. I.T. Circle -I, Patna. 2. Special Circle-I, Patna. 3. Special Circle-II, Patna.
		(ii) District Bhojpur.	4. I.T. Circle, Arrah.
		(iii) District Rohas.	5. I.T. Circle, Sasaram.
		(iv) District Nalanda.	6. I.T. Circle, Nalanda.
		(v) District Nawada.	
2.	Tax recovery Officer-II, Patna.	(i) District Patna.	1. I.T. Circle-II Patna. 2. I.T. Circle-III Patna.
3.	Tax Recovery Officer, Muzaffarpur.	(i) District Muzaffarpur.	1. I.T. Circle, Muzaffarpur.
		(ii) District Sitamarhi.	2. I.T.O., Survey, Muzaffarpur.
		(iii) District Vaishali.	
		(iv) District E. Champaran.	3. I.T. Circle, Motihari.

INCOME TAX

(v) District W. Champaran.	4. I.T. Circle, Bettiah
(vi) District Saran.	5. I. T. Circle, Chapra.
(vii) District Siwan.	
4. Tax Recovery Officer, Dhanbad.	(i) District Gaya. 1. I.T. Circle, Gaya.
	(ii) District Nawadah.
	(iii) District Aurangabad.
	(iv) District Dhanbad.
	2. I.T. Circle-I, Dhanbad.
	3. I. T. Circle-II, Dhanbad.
	4. Special Circle, Dhanbad.
	5. I. T. Circle, Bokaro.
	(v) District Hazaribagh
	6. I. T. Circle, Hazaribagh.
	(vi) District Giridih.
	7. I. T. Circle, Giridih.
	8. I.T.O., Survey, Dhanbad.

NOTE:—The Tax Recovery Officers mentioned in Column 2 of the Schedule shall also have jurisdiction over all certificate issued by Income Tax Officers of the Circles other than those mentioned in Column 4 of Bihar Charge and other states, which will fall for execution in the Districts mentioned in Column 3 of the schedule.

This order shall have effect from 1-8-1977.

A.K. DAS GUPTA
[Commissioner of Income-tax,
Bihar-II, Patna.

S. R. KHARABANDA
Commissioner of Income-tax,
Bihar-I, Patna.

FORM ITNS—

- (1) 1. Kaji Jalal Uddin, 2. Kaji Kamal Uddin and 3. Md. Hussin of Masjid Road, Tezpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Bachhraj Dugar, Main Bazar Road, Tezpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 26th August 1977

Ref. No. A-135/Tez/77-78/481-92.—Whereas, I, EGBERT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. DAG No. 58, situated at Balichapri Village of Mouza Mahavairow, Tezpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on 22-2-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring two bigha and sixteen lessa along with one Assam Type house situated at Village Balichapri, Mouza Mahavairow, Tezpur Town in the District of Darrang, Assam.

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date : 26-8-77

Seal :

FORM ITNS—

1. Shri Deewan Chand S/o Narain Das, R/o 55-A,
E.C. Road, Dehradun

(Transferor)

2. Shri Devendra Kumar Singh and Satyendra Kumar
Singh both Sons of Yashpal Singh, R/o 47, Old Dis-
pensary Road, Dehradun

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th September 1977

Ref. No. 30-A/Acq/D. Dun/77-78/2833.—Whereas, I. R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 55A, situated at E. C. Road, Dehradun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 2.2.1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of house bearing No. 55-A, situated at E.C. Road, Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs. 50,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7.9.1977
Seal :

FORM IINS

1. Shri Surendra K. Bansal 3, Inder Road, Dehradun
(Transferor)

2. S/Shri Pradheep Kumar Sharda and Sandeep Kumar
Sharda 3, Inder Road, Dehradun
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 2nd September 1977

Ref. No. 100/Acq/D.Dun/77-78/2838.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of House No. 3 situated at Inder Road, Dehradun

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dehradun on December 76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of part of house No. 3, Inder Road, Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs. 18,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 2.9.1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 2nd September 1977

Ref. No. 97/Acq/D.Dun/77-78/2837—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. part of House No. 3, situated at Inder Road Dehradun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on December 76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri P. K. Bansal, 3, Inder Road, Dehradun,

(Transferor)

2. S/Shri Pradeep Kumar Sharda and Sandeep Kumar Sharda (Minor) through Snehlata Sharda 3, Inder Road, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of part of house No. 3, Inder Road, Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs. 18,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 2.9.1977

Seal :

FORM ITNS

1. Shri Sushil Ratan Bansal, 3, Inder Road, Dehradun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 2nd September 1977

Ref. No. 95/Acq/Dehradun/77-78/2836.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. part of House No. 3, situated at Inder Road, Dehradun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Dehradun on December 76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

10—256GI/77

2. S/Shri Pradeep Kumar Sharda and Sandeep Kumar Sharda (Minor) through Snehlata Sharda 3, Inder Road, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of part of house No. 3, Inder Road, Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs. 18,000/-.

R. P. BHARGAVA

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 2.9.1977

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 2nd September 1977

Ref. No. 101/Acq/D.Dun/77-78/2835.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 situated at Inder Road, Dehradun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on December 76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Ramesh Chand Bansal, 3, Inder Road Dehradun.
(Transferor)
2. Shri Pradeep Kumar Sharda and Master Sandeep Kumar Sharda, 3, Inder Road, Dehradun.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of part of house property bearing No. 3, Inder Road, Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs. 18,000/-.

R. P. BHARGAVA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur

Date : 2.9.1977

Seal :

FORM ITNS—

1. Shri Siri Ram Bansal 3, Inder Road, Dehradun
(Transferor)2. S/Shri Pradeep Kumar Sharda and Sandeep Kumar
Sharda, 3, Inder Road, Dehradun
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 2nd September 1977

Ref. No. 96/Acq/D. Dun/77-78/2834.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

part of house No. 3 situated at Inder Road, Dehradun, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Dehradun on December 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of part of house No. 3, Inder Road, Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs. 20,000/-.

R. P. BHARGAVA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 2.9.1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA,

KARVE ROAD, POONA 411004

Poona 411004, the 27th August 1977

Ref No CA5/Haveli I/March 77/337—Whereas, I Smt P LALWANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No F.P. No 590/1 & 590/2, CS No 1241/B & C, situated at Apte Road, Poona, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-1, Poona on 31-3-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Modern Builders, 1187/29, Ghole Road, Poona 4

(Transferor)

(2) Yashodhan Co operative Housing Society Ltd, 1241, Apte Road, Poona-4

(Transferee)

- (1) Shri R R Borawake
- (2) Shri S B Borawake
- (3) Shri W D Girme
- (4) Shri A P Joshi
- (5) Mrs S M Vyas
- (6) Mrs Neela A Jael
- (7) Shri C M Joshirao
- (8) Shri V Y Tamhane
- (9) Mrs Kanta G Mahtre
- (10) Shri H B Mutha
- (11) Mrs Seema M Kulkarni
- (12) Shri M V Marathe
- (13) Shri S M Thakoor
- (14) Shri M V Sathye
- (15) Shri V G Vakharra
- (16) Shri M W Chiplonkar
- (17) Shri R M Dalal
- (18) Shri S K Deo
- (19) Hotel Shreyas
- (20) Restaurant Shreyas
- (21) Mrs V G Chandias
- (22) Shri D M Dixit
- (23) Shri S V Sathye
- (24) Shri S R Khatod

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at F P No 590/1 and 590/2, Town Planning Scheme, Poona No 1, City Survey No 1241/B & C, Poona

(Property is described in the Sale Deed registered under No 440 dated 31 3 77) in the office of the Sub-Registrar, Haveli I, Poona

Smt P LALWANI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Poona

Date 27-8-1977

Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Kalidas Dattatraya Joshi, At & Post : Ainpur,
Tal. Raver, Dist. Jalgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ERANDWANA, KARVE

ROAD, POONA : 411004.

(2) Shri Pukhraj Dalichand Sanghavi, Bhanu Niwas,
Natraj Theatre Road, Jilla Peth, Jalgaon.

(Transferee)

(3) Town Planning Office, Shahunagar, Jalgaon.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Poona : 411004, the 27th August 1977

Ref. No. GA5/Jalgaon/Feb,77/338.—Whereas, I, Smt.
P. LALWANI,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. C.T.S. No. 2683 A/1/47 plot No. 47 situated at Jalgaon
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer
at Jalgaon on 2-2-77for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—(a) by any of the aforesaid person within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA, of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property on C.T.S. No. 2683 A/1/47, plot No. 47,
Shahunagar, Jalgaon.

Area : 506.6 sq. ms. and built up 253.3 sq. ms.

(Property as described in the Sale Deed registered under No.
166 dated 2-2-77 in the office of the Sub-Registrar, Jalgaon).Smt. P. LALWANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 27-8-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Kirloskar Oil Engines Ltd, Laxman Rao Kirloskar Road, Khadki, Pune (Maharashtra)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Escorts Ltd, Mahajan House, South Extension Part-II, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 3rd September 1977

Ref. No. BGR(DLI)/16/76-77.—Whereas I, R. K. PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 167 Kanals 3 Marlas along with buildings constructed thereon also all fixtures and fittings, at 25 KM Stone on Delhi-Mathura Road, situated at Sec. 27-A, Industrial Area, Urban Estate, Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in January, 1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 167 Kanals 3 Marlas situate in the Revenue Estate of Mewla Maharajpur, Tehsil Ballabgarh, Distt. Gurgaon abutting on the main Delhi Mathura Road at 25 KM Stone, along with buildings constructed thereon and having area of 55997.31 sq. ft as also all fixtures and fittings existing in the said building

(Property as mentioned in the Registration Deed No. 15 of January, 1977 of Registering Authority, Delhi).

R. K. PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 3-9-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Tara Bala W/o Sh. Nawal Kishore, R/o 5-E/14, B. P., Town Ship Faridabad.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s M. L. C. International, Plot No. 319, Sector 24,
N. I. T. Faridabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 3rd September 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid person within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. BGR/17/76-77.—Whereas, I, R. K. PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory building on plot No. 319 situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in January, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Factory Building on plot No. 319, Sector 24, N. I. T. Faridabad bounded as under.

North : Factory Plot
South : Road
East : Factory Plot No. 320
West : Factory Plot No. 318

(Property as mentioned in the Registration Deed No. 6389 of January, 1977 of Registering Authority, Ballabgarh).

R. K. PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-9-1977

FORM ITNS—

(1) Smt. Rama Chopra, House No. 138, Sector 21-A, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Raghbir S/o Sh. Sugru, Railway Colony, Roop Nagar, (Punjab).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION HANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Rohtak, the 3rd September 1977

Ref. No. CHD/74/76-77.—Whereas, I, R. K. PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 of House No. 138, Sector 21-A Chandigarh, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1977 for an apparent consideration which **is less than the fair market value of the aforesaid property** and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/2 share of 10 Marla of House No. 138, Sector 21-A, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registration Deed No. 867 of January, 1977 of Registering Authority Chandigarh.

R. K. PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-9-1977
Seal :

FORM ITNS—

1. The Castlerock Fisheries, Cochin-682005.

(Transferor)

2. Sri. V. T. Joseph, S/o Vuyalat Thomas, Vayalat House, Cochin-682001.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-682016.

Cochin-682016, the 9th September 1977

Ref. No. L.C. 146/77/78.—Whereas, I, C. P. A. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Rameswaram village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cochin on 19-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

11—256GI/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

72 cents of land with building Nos. XVIII/104, 105, 106, 108, 109 & 110 in Rameswaram village, Ernakulam District—vide schedule to Document No. 156 of 1977 dated 19-1-1977 of Sub Registry, Cochin.

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 9-9-77

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 5th September 1977

Ref. No. F. 3780/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 108 situated at Pallivasal St., Pattukottai (land admeasuring 27 cents—with building) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pattukottai (Doc. No. 6/77) on 7-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Manicka Pathar S/o Shri Ponnusami Pathar; and Smt. Ambujathammal W/o Shri Manicka Pathar, Thangavel Nagar, Pattukottai.

(Transferor)

(2) Smt. Punithavathi Ammal W/o Shri K. T. P. Kathirecan Chittiar Pillaiar Koil St., Pattukottai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1. Vacant land admeasuring 5 cents and bearing Survey No. 108, Pallivasal Street, Pattukottai; and

2. Land admeasuring 22 cents (with building) and bearing Survey No. 108, Pallivasal Street, Pattukottai.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 5-9-77

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri D Soundararajan and Shri D Sundararajan No. 12/107 Gandhipuram 6th St, Coimbatore-12.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Raja K Ranganathan, S/o Raja Kalikaraju Chettiar, No 8/115 Gandhipuram 5th St, Coimbatore-12

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras 6, the 5th September 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No F 4187/76-77—Whereas, I. K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 13/107, situated at Gandhipuram Street No 6, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc No 17/77) on January 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

Land admeasuring 5 Cents and 177 Sq ft (with building) and bearing Door No 13/107 Gandhipuram Street, No 6, Coimbatore (TS No 11/919 and 920, Block 29)

K PONNAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Madras 6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 5-9-77

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri D. Soundararajan and Shri D. Sundararajan
Coimbatore-12.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Raja K. Karuppannan S/o Raja Kalika Raju Chettiar,
8/115 Gandhipuram 5th Street, Coimbatore-12.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 5th September 1977

Ref. No. F.4187/76-77.—Whereas, I, K. Ponnann, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 13/107, situated at 6th Street, Gandhipuram, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 18/77) on January 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 5 Cents and 117 Sq. ft. (with building) and bearing Door No. 13/107, Gandhipuram Street, No. 6, Coimbatore. (T.S. No. 11/919 and 920, Block No. 29).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 5-9-77

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II MADRAS-6

Madras 6, the 5th September 1977

Ref No F 4195/76-77—Whereas, I, K. Ponnann, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No situated at Door No 8A/68 69 and 70, 7th Street Tatabad, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc No 55/77) on January 1977 for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) A Jainabi, A Ahahamedbaheer, A Raja, A Bahru deen, A Abdul Lathif, A Munallara, A Neeja Mohideen (Minor), A Mohamed Muni (Minor), Minors represented by Shri A Bahrudeen, A Jainabi, A Ahahamedbaheer, A Raja, A Abdul Lathif and A Munallara represented by power agent Shri A Bahrudeen S/o late Shri C C Abdullah N H Road, Coimbatore

(Transferor)

(2) Shri D Bahu Rao No 15/51 Okkilar St, Coimbatore

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 2802 Sq ft (with building) and bearing Door Nos 8A/68, 69 and 70 (T S No 11/597/1 Part), 7th Street, Tatabad, Coimbatore

K PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Madras 6

Date 5-9-77
Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Narsi Thulasidas S/o Shri Thulasidas Ponnun-
ngam Road, R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri F. Colaco S/o Shri H. P. Colaco No. 11,
Govinda Singh Road, R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 5th September 1977

Ref. No. F.4196/76-77.—Whereas, I. K. Ponnann, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 11, situated at Govind Singh Road, R. S. Puram, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 104/77) on 18-1-1977, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building bearing Door No. 11 (T.S. No. 8/12) Govind Singh Road, R. S. Puram, Coimbatore, (Doc. No. 107/77—Ty. S. R., Coimbatore).

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 5-9-77

Seal :

FORM ITNS—

(1) Captain John Crofton-Home, No. 6 Couper Road,
Civil Lines, Allahabad-I.

(Transferor)

(2) Dr. N. B. Nanjappa and Mrs. T. Jayammal, I. D.
Hospital Quarters, Finger Post, Ootacamund.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 5th September 1977

Ref. No. F. No. 4197/76-77.—Whereas, I, K. Ponnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 4188/2, situated at 'Clifton House', Old Garden Road, Ootacamund (Extent 0—41 Acres) and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ootacamund (Doc. No. 58/77) on 19-1-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 0.41 Acres and situated at Revenue Survey No. 4188/2, (Clifton House), Old Garden Road, Ootacamund. (Doc. No. 58/77).

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 5-9-77.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 6th September 1977

Ref. No. Acq. F. No. 431.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7/433 situated at Godugupeta, Machilipatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Machilipatnam on 24-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. 1. Kantheti Sarojini, W/o Anjaneyulu,
2. Shri K. Ramakrishna Das, S/o. Anjaneyulu, Godugupeta, Machilipatnam (Transferor)
2. 1. Chaluvadi Krishna Murty, S/o Subbaiah,
2. Ch. Veeranjanya Subramanyam, S/o Krishnamurty, Prs. in Radha Krishna Metal Rolling Mills, Industrial Estate, Machilipatnam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 168/77 registered before the Sub-Registrar, Machilipatnam during the fortnight ended on 31.1.1977.

K. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 6.9.1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 6th September 1977

Ref. No. Acq. F. No. 432.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7/433 situated at Godugupeta, Machilipatnam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Machilipatnam on 9.5.1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

256GI/77

1. 1. K. Sarojini, W/o. Anjaneyulu,

2. Sri K. Ramakrishna Das, S/o Anjaneyulu
Godugupeta, Machilipatnam.

(Transferor)

2. 1. Ch. Krishna Murthy, S/o. Subbaiah,

2. Ch. Veeranjaneya Subrahmanyam, S/o. Krishna-murthy, Pns. in Radha Krishna Metal
Rolling Mills, Industrial Estate, Machilipatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1246/77 registered before the Sub-Registrar, Machilipatnam during the fortnight ended on 15.5.1977.

N. K. NAGARAJA.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 6-9-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 6th September 1977

Ref. No. Acq. F. No 433.—Whereas, I. N. K. NAGARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nos. RS 290/4 & 4/138 (Rice Mill) situated at Avanigadda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Avanigadda on 3-1-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Gogineni Ammaiah, S/o. Kotaiah.
2. " Venkatanarayana, S/o. Ammalah.
Jayapuram P.O., Divi Tq.
Jayapuram P. O., Divi Tq.
4. Vemulapalli Sivaramakrishna Prasad, S/o. Venkatasubbaiah.
5. Vemulapalli Ramakrishna, Minor by Guardian father.
V. Sivaramakrishna Prasad, Krishnapuram,
Kodur P. O., Divi Tq.
6. Muppaneni Lakshminarayana, S/o. Brahmaiah.
7. " Rajendraprasad, Minor by Guardian Sir M. Lakshminarayana, Kodur P.O., Divi Tq.

(Transferor)

2. 1. Gogineni Suryanarayana, S/o. Kotaiah.
2. " Suseela, W/o. Suryanarayana,
3. " Gnanaprasad, S/o. —do—
4. " Srinivas, Minor by Guardian father
G. Suryanarayana.

(Transferee)

3. Sri Raja Venkateswara Rao, Sri Vijayalaxmi
Rice Mill contractors.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 5/77 registered before the Sub-Registrar, Avanigadda during the fortnight ended on 15.1.1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 6.9.1977

See)

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 6th September 1977

Rel. No. Acq. F. No. 434. Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nos. RS 290/4 & 4/138 (Rice Mill) situated at Avanigadda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Avanigadda on 3-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | | |
|---|---|--|
| 1. P. Venkaiah,
S/o Jagapathiraidu. | } | Krishnapuram,
H/o. Koduru,
Divi Tq. |
| 2. P. V. Narasimharao
S/o. Venkaiah. | | |
| 3. P. Rajendrababu,
S/o. Venkaiah. | | |
| 4. Mallipeddi Koteswatarao,
S/o. Seetharamaiah. | | |
| 5. M. Muddukrishna, Minor by
guardian father M. Kotes-
wararao. | } | Narasimhapuram,
H/o. Koduru,
Divi Tq. |
| 6. M. Satyakrishna, Minor by
guardian father M. Kotes-
wararao | | |
| (Transferor) | | |
| 2. 1. Gogineni Suryanarayana
S/o Kotaiah. | } | Avanigadda,
P. O. Divi Taluk,
(Transferee) |
| 2. Gogineni Suseela,
W/o. Suryanarayana. | | |
| 3. Gogineni Gannappasud,
S/o Suryanarayana. | | |
| 4. Gogineni Srinivas, Minor by
guardian father Suryanarayana. | | |

3. Kaza Venkateswara Rao, Sri Vijayalaxmi Rice Mill
Contractors.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other persons interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have same meaning as gives in
that Chapter

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No.
5/77 registered before the Sub-Registrar, Avanigadda during
the Fortnight ended on 15-1-1977.N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 6.9.1977

Seal :

FORM ITNS— —

1 Shri Muntha Nagaraju Sundara Murthy, S/o Koteswara Rao, Humayt nagar, Hyderabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2 Shri Haji Ibrahim Khan, alias B. bulal, S/o Late Mahaboob Khan, Sangadikunta, Guntur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 6th September 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No Acq T No 435—Whereas, I, N K NAGARA-
RAJAN
being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No 6 16 31 situated at Arundalpet, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 6-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION —The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 36/77 registered before the Sub Registrar, Guntur during the fortnight ended on 15.1.1977

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

N K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 6.9.1977
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 6th September 1977

Ref. No. Acq. F. No. 436.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/395A & C. S. No. 8-2-36 situated at Anapindivari Street, Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 25-11-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. 1. Samayamanthula Venkateswara Rao, S/o. Butchi Raju, 2. Simhadri Rama Subrahmanyeswararao, S/o. Bhanumurthi, Rajahmundry.

(Transferor)

2. Shri Padarti Krishna Mohan Gupta, Minor by guardian mother Veerraju, W/o Venkateswararao, Rajahmundry.

(Transferee)

3. M/s. Mahaveer Trading Co., Rajahmundry.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 193/77 registered before the Sub-Registrar, Rajahmundry during the Fortnight ended on 31-1-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 6.9.1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 7th September 1977

Ret. No. Acq. F. No. 437.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26-2-7A situated at Andhra Ratna St., Vijayawada (and more fully, described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 29-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

1. Shri P. Srinamachandra Murty, Police Station Road, Sivasankarapuram, Krishna Lanka, Vijayawada.

(Transferor)

2. Shri Simhadri Veera Venkata Naga Subbarama Gupta, S/o. Venkata Rao, C/o Kiran Electricals, Undavalli vari Street, Gandhinagar, Vijayawada-3

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 93/77 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 31-1-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 7-9-1977

Seal :

FORM ITNS

1. Shri Bhamidipati Subbalaxmi, W/o Subrahmanyam
2. Bhamidipati Subrahmanyam S/o —do—
Rajanagaram, Rajahmundry Taluk

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. 1. Tetala Subbayamma, W/o Satyanarayana Reddy
2. Tadi Satyavati, W/o Abbai
Kutukalur, Ramachandrapuram Taluk

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 8th September 1977

Ref. No. Acq. File. No. 439.—Whereas, I. N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No R. S. Nos. 584, 585, 651 to 653 situated at Kaluvacharla village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Korukonda on 22-1-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

The schedule property as per registered document No. 71/77 registered before the sub-registrar, Korukonda during the fortnight ended on 31-1-1977

N. K. NAGARAJAN

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kakinada.

Date : 8-9-1977

Seal :

FORM ITNS—

1. Shrimati Mudunuri Venkata Annapurna Visalakshi,
15/248. Satyanarayanapuram, Gudivada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

2. Shrimati Peddibhotla Vanajakumari, W/o Dr. Venkata
Subba Rao, 23B-2-11/2, Ramachandrapeta, Eluru-
2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

3. 1. Ramachandrarao, Gudivada.
2. Sri Kondeswararao, Gudivada.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 8th September 1977

Ref. No. Acq. F. No. 438.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16/19 situated at Satyanarayanapuram, Gudivada (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gudivada on 6-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 15/77 registered before the Sub-Registrar, Gudivada during the fortnight ended on 15-1-1977.

N. K. NAGARAJAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 8th September 1977

Ref. No. Acq. No. 440.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. Nos. 12/3 & 4, 313/8 & 259/10 situated at Machavaram village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambajipeta on 18-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

3—256GI/77

1. Jinnuri Malleswararao, S/o Perayya Naidu,
2. Sri Jinnuri Venkataraju, GPA Holder Smt. Davuluri Satyavati, Yanam,
3. Sri Jinnuri Kasi Visweswararao, S/o Perayya Naidu, Nagavaram, Amalapuram Taluk
4. D. Satyavati, W/o Ramarao, Yanam.

(Transferor)

2. Shri Sunkara Rajarao, S/o Veeraswamy Korlapati-varipalem, Machavaram sivaru, Ambajipeta, Amalapuram Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of property as per registered document No. 95/77 registered before the Sub-Registrar, Ambajipeta, during the fortnight ended on 31-1-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
(Acquisition Range, Kakinada.)

Date : 8-9-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 8th September 1977

Ref. No. Acq. Filc. No. 441.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. 74/1 situated at Ramanayyapeta village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 24-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shrimati Ivaturi Nagamani, W/o Jogarao, Kakinada
(Transferor)
2. Shri Mootha Gopalakrishna, S/o Venkateswararao, Kakinada.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of property as per registered document No. 172/77 registered before the Sub-Registrar, Kakinada during the fortnight ended on 31-1-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 8-9-1977
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 8th September 1977

Rel. No. Acq. File No. 442.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 823/5 Rice Mill situated at Murakondapadu sivaru Betapudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bapatla on 28-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Partners of M/s Sri Anjaneya Rice Mill, Betapudi (As per list enclosed)
Acq. F. No. 442.

LIST OF TRANSFERORS.

1. Tadikimalla Nagendrudu.
2. Chebrolu Subbamma.
3. Chebrolu Raghavarao.
4. Satuluri Dhanalakshmi.
5. Satuluri Yellamanda.
6. Atmakuri Venkata Lakshmi.
7. Polisetty Rama Seeta.
8. Yerra Ratnamma.
9. Yerra Chandramouli.
10. Kommaneni Venkateswararao.
11. Metla Rujakumari.
12. Kotha Anianeyulu.
13. Kotha Venkatasubbamma.
14. Kotha Guravayya.
15. Kotha Lakshminarayana.
16. Tadavarthi Swarajyam.
17. Nuvvula Punnaiah.
18. Nuvvula Ankamma.
19. Nuvvula Gopalakrishna.
20. Manam Poparao.

Partners in M/s. Sri Anjaneya Rice Mill, Betapudi.
(Transferor)

2. 1. Gelli Mallikarjunarao, S/o Mutyam
2. Gelli Madhusudhanarao —do—
3. Gelli Sankararao —do—
Eopoorupalem, Chirala Taluk

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 165/77 registered before the sub-registrar, Bapatla during the fortnight ended on 31-1-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 8.9.1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 8th September 1977

Ref. No. Acq. File. No. 443.—Whereas, I, N. K. GANA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 823/5 Rice Mill situated at Murakondapadu Sivaru Betapudi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bapatla on 28-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Partners of M/s Sri Anjaneya Rice Mill, Betapudi (as per list enclosed)

(Transferor)

2. 1. Gelli Mallikarjunarao S/o Mutyam

2. G. Nagavara Siva Prasad, S/o Mutyam
M/G brother G. Malikarjunarao,
Egurupalem, Chirala Taluk.

(Transferee)

Acq. F. No. 443 (443).

LIST OF TRANSFERS

1. Shaik Dada Saib.
2. Yerra Venkanna.
3. Makkena Veeraiah.
4. Makkena Suryanarayana.
5. Makkena Butchaiah.
6. Makkena Suba Rao
7. Yarlagadda Venkateswarlu.
8. Karumanchi Ramaiah.
9. Tadikamalla Subba Rao.
10. Tadikamalla Pattabhiramayya.
11. Shaik Nabi Saheb.
12. Chandrapaty Satyanarayana.
13. Chebrolu Venkateswarlu.
14. Syed Khader Vail Saheb.
15. Satuluri Subba Rao.
16. Tadikamalla Kotilingam.

Partners in M/s Sri Anjaneya Rice Mill, Betapudi.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 164/77 registered before the sub-registrar, Bapatla during the fortnight ended on 31-1-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 8-9-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 3rd September 1977

Ref. No. IAC/Acq.III/257/77-78.—Whereas, I, A. L. SUD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 52/84 situated at WEA Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Harbans Lal Jain S/o Sh. Khushi Ram r/o 52/84 Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Lal Sethi, s/o Sh. Amir Chand Sethi, 2. Sh. Bhim Sain Sethi s/o Sh. Chaudhary Ram Sethi r/o 61/25 Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

(3) Shri Vijay Kumar, 2. Sh. Jagdish Nand.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed building constructed on a plot of land measuring 256.40 sq. yds. bearing No. 52/84 situated at W.E.A. Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under :—

North : Service Lane

South : Road

East : Property No. 52/83

West : Property No. 52/85

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III, Delhi/New Delhi.

Date : 3-9-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 3rd September 1977

Ref. No. IAS/Acq.III/258/77-78.—Whereas, I, A. L. SUD, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khasra No. 1738 to 45 situated at Village Chattarpur, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Raminder Singh Duggal (HUF), through its Karta Sh. Raminder Singh Duggal s/o Shri Uttam Singh Duggal r/o 3, Golf Links, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. R. S. Avtar Singh & Co., r/o R-73, Greater Kailash-I, New Delhi through its partner Sh. Swaranjit Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 27 bighas 18 biswas, Khasra Nos. 1738/2 (3-18), 1739/1 (4-2), 1739/2 (0-14), 1742 (4-16), 1743/1(1-18), 1743/2/3(2-18), 1744(4-16), 1745 (4-16) and a farm house on the said land consisting of two bed rooms, four bath rooms, one drawing room, one dining room, one kitchen, one swimming pool, three servant quarters, tube well and boundary wall (approved by the Municipal Corporation of Delhi) situated in Village Chattarpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III, Delhi/New Delhi.

Date : 3-9-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 3rd September 1977

Ref. No. IAC/Acq.III/259/77-78.—Whereas, I, A. L. SUD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. WZ-33, situated at Sham Nagar Extn., New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) 1. Sh. Gulzari Lal s/o Sh. Acharaj Ram, House No. C-6/6A, Lawrence Road, Delhi.
2. Smt. Gulshan Rani, W/o Sh. Dewan Chand Grover, H. No. C-4/156A, Lawrence Road, Delhi.

Through their General Power of Attorney Sh. Gurcharan Singh, s/o Sh. Chain Singh, Gurunanak Saw Mills, A-41, W.H.S. (Warehousing Scheme) Kirti Nagar, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Paramjit Singh s/o Sh. Sunder Singh H. No. WZ-33, Sham Nagar Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed house constructed on a plot of land measuring 100 sq. yds bearing No. 17/WZ-33, situated at Sham Nagar Extension, New Delhi and bounded as under :—
North : Street
East : Plot No. 18
South : Street
West : Plot No. 16

A. L. SUD

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III, Delhi/New Delhi.

Date : 3-9-1977

Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shri Dev Raj and Sh. Mulkh Raj s/o Late Shri Balraj Kapoor, r/o J-180 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harish Chand Rastogi s/o Shri Anand Sarup Rastogi r/o J-180 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 9th September 1977

Ref. No. IAC/Acq.III/260/77-78.—Whereas I, A. L. SUD being the competent authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. J-180 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 25-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A house constructed on a free-hold plot of land measuring 231.4/10 sq. yds. bearing Municipal No. J-180 situated at Rajouri Garden, New Delhi and bounded as under :—

South : Property No. J-181
North : Road
East : Road
West : Service Lane

A. L. SUD

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-9-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 24th September 1977

Ref. No. IAC/Acq. II/1275/77 78.—Whereas I, A. L. SUD, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11255/XIV/5, Gali No. 2 situated at Doriwala, Shidhipura, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 24-1-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sumitra Rani w/o Shri Ram Lal, r/o 11185 Mandir Road, Doriwala Gali, Shidhipura, Delhi,
(Transferor)

(2) Shri Satish Anand and Ashok Anand sons of Shri Hari Dass Anand, r/o 11251, Shidhipura, Doriwala, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storied house constructed on a plot of land measuring about 40 sq yds bearing Municipal No. 11255/XIV/5, situated at Shidhipura, Karol Bagh, Doriwala, Delhi & bounded as under :

North : Gali
South : Common passage,
East : House No. 11255/4
West : House No. 11255/6

A. L. SUD,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi.

Date : 3-9-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Raghunath Pattanaik

(Transferor)

(2) Shrimati Suiyamani Panda W/o R. N. Panda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

9, FOREST PARK, BHUBANESWAR-9.

Bhubaneswar-9, the 12th September 1977

Ref. No. 50/77-78 TAC(A.R)/BBSR.—Whereas, I, A. N. Misra, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 191A situated at Unit-III, Bhubaneswar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhubaneswar on 13-12-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

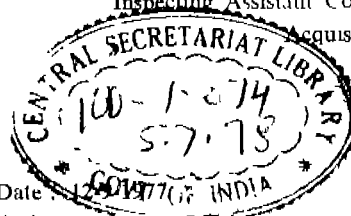
(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (25 of 1927).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

The land with building situated over Plot No. 191A Unit-III, Bhubaneswar under the jurisdiction of Sub-Registrar Bhubaneswar and registered by sale document No. 8812 dated 13-12-1976.

A. N. MISRA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, BhubaneswarDate : 13/9/77
Seal :